सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

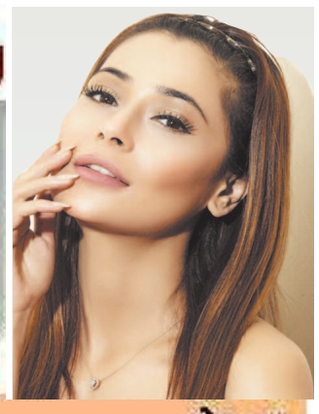

जसप्रीत बुमराह की नंबर-1 पोजीशन खतरे में, पाकिस्तान का ये गेंदबाज दे रहा बड़ी चुनौती -पेज: 7

हिंदू परिवार में शादी करने पर ट्रोल हुईं सारा खान -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 195 | गुरुवार 23 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मथुरा के करीब मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरे, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग प्रभावित

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के निकट मंगलवार रात एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बेपटरी हुए डिब्बों में माल लदा हुआ था। यह घटना आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड में वृंदावन रोड स्टेशन और आइई स्टेशन के बीच मंगलवार रात करीब 8:24 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और ट्रेन के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। हालांकि, इस दुर्घटना के कारण डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन सभी बाधित हो गईं। अधिकारियों ने चेताया कि इससे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा मार्ग पर कई ट्रेनों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। रेलवे विभाग ने तुरंत बचाव और पटरी सुधार का काम शुरू कर दिया है, ताकि यातायात को जल्द बहाल किया जा सके। संबंधित लाइन के रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेनों की समय सारणी और अपडेट्स के लिए रेलवे की वेबसाइट या संबंधित स्टेशन से जानकारी लेते रहें।

ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, महिला का वीडियो वायरल

मुंबई (एजेंसी)। ताज होटल में कुर्सी पर पालथी मारकर बैठने को लेकर हुआ विवाद, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। श्रद्धा शर्मा नाम के हैंडल से महिला ने एक्स पर वीडियो शेयर कर दावा किया कि वह ताज होटल में डिनर के लिए गई थीं। महिला के अनुसार, उनके बैठने के तरीके (कुर्सी पर पालथी मारकर/पैडमासन स्टाइल में बैठना) पर होटल मैनेजर ने आपत्ति जाहिर की। मैनेजर ने कथित तौर पर महिला से कहा कि एक अमीर गेस्ट को उनके बैठने के तरीके से दिक्कत हो रही है। महिला ने अपने पहनावे (कोल्हापुरी चप्पल) पर भी आपत्ति जताने का दावा कर कहा कि मैनेजर ने उन्हें तरीके से बैठने और बंद जूते पहनने को कहा, क्योंकि यह फाइन डाइनिंग जगह है जहाँ बहुत अमीर लोग आते हैं। महिला ने होटल ताज के इस रवैये पर गुस्सा और निराशा व्यक्त कर सवाल किया कि अपनी मेहनत की कमाई से आकर सम्मान के साथ बैठने में क्या गलती है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो गया है, जिस पर लोग होटल के व्यवहार की आलोचना कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग फाइन डाइनिंग के शिष्टाचार का पक्ष ले रहे हैं। महिला ने अपनी पोस्ट में लिखा कि एक आम इंसान, जो मेहनत करके, अपना पैसा कमा कर, अपनी इज्जत के साथ ताज होटल में आता है, उस आज भी इस देश में जलील और अपमानित होना पड़ता है। और मेरी गलती क्या है? सिर्फ ये कि मैं बैठ गई एक 卐पालथी मारकर बैठ गई卐? क्या ये मेरी गलती है कि ताज मुझे सिखा रहा है कि कैसे बैठना चाहिए, क्या करना चाहिए?ताज होटल की ओर से अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

अररिया की जेसीबी नहर अब बनी मौत की नहर... 48 घंटों में डूबने से सात मासूमों की मौत

अररिया (एजेंसी)। बिहार के अररिया जिले के भरगामा प्रखंड के सिरसिया हनुमानगंज स्थित जेसीबी नहर अब मौत की नहर बन गई है। नहर में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। ये खेलते-खेलते नहर के किनारे पहुँची थीं। एक का पैर फिसलने पर बाकी दो उसे बचाने के प्रयास में डूब गईं। इस घटना से एक दिन पहले इसी नहर में डूबने से चार अन्य बच्चों की मौत हुई थी। इस प्रकार, बीते 48 घंटों में इस नहर में डूबने से कुल सात मासूमों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रहे हादसों ने स्थानीय प्रशासन और जल संसाधन विभाग के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर कई जगहों पर गहरी और असुरक्षित है, लेकिन इसके किनारों पर न तो कोई सुरक्षा घेरा है और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। ग्रामीणों की मांगों को अनसुना किया गया था। ग्रामीण अब आक्रोशित हैं और प्रशासन से इस नहर को जल्द से जल्द सुरक्षित बनाने और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। यह जिले की पहली ऐसी घटना है, जिसमें दो दिनों के भीतर एक ही जगह सात बच्चों की मौत हुई है। यह दुर्घटना स्थानीय प्रशासन को तुरंत सुरक्षा उपाय करने की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।

गुजरात में पत्नी ने की दरिंदगी, पति के प्राइवेट पार्ट को तेजाब डालकर जला दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में एक महिला ने अपने पति के साथ रुह कंपाने वाली दरिंदगी कर दी। 33 साल के एक शख्स पर पत्नी ने पहले खौलता पानी उड़ेल दिया और फिर तेजाब से शरीर के कई हिस्सों को जला दिया। डिलीवरी वर्कर के रूप में काम करने वाला शख्स अब अस्पताल में जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहा है। एफआईआर के मुताबिक, वह सो रहा था और पत्नी अचानक उसे गालियां देने लगी। पीड़ित ने कहा, उसने अचानक मेरा कंबल खींच लिया। पहले मुझपर खौलता पानी डाल दिया। इससे पहले कि मैं कुछ कर पाता उसने तेजाब की बोतल उठाई और मुझ पर फेंका। प्राइवेट पार्ट्स पर भी तेजाब डाल दिया। सैटेलाइट पुलिस स्टेशन के जांचकर्ताओं के मुताबिक, महिला अपने पति पर शक करती थी कि उसका दूसरी महिला से भी संबंध है। इसको लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। पीड़ित सोला सिविल अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती है। पेट, जांघ, पीठ, हाथ और प्राइवेट पार्ट पर जख्म हैं। हमला करके भागी पत्नी के खिलाफ पीड़ित ने अस्पताल के बिस्तर से ही शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 31 साल की पत्नी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों ने दो साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी।

12 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवार आमने-सामने, जानिए इन सीटों पर क्या है जातीय समीकरण

विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवार एक-दूसरे को आमने-सामने से टक्कर दे रहे हैं। महागठबंधन के सहयोगी दलों की दरार धीरे-धीरे कर खाई में बदलती जा रही है।

बिहार एजेंसी: विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर महागठबंधन के उम्मीदवार एक-दूसरे को आमने-सामने से टक्कर दे रहे हैं। महागठबंधन के सहयोगी दलों की दरार धीरे-धीरे कर खाई में बदलती जा रही है। 12 विधानसभा सीटों पर एनडीए का अकेला उम्मीदवार है, इसलिए महागठबंधन की दिक्कतें बढ़नी तय है।आइए इन 12 विधानसभा सीटों के समीकरण पर डालते हैं एक नजर- नरकटियागंज सीट पर बीजेपी ने संजय पांडेय को चुनावी रण में उतारा है। वहीं आरजेडी की तरफ से दीपक यादव की किस्मत पर भरोसा जताया गया है, जबकि कांग्रेस ने यहां से शाश्वत केदार पांडेय को टिकट थमा दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में नरकटियागंज विधानसभा सीट पर सात हजार 35 वोट की लीड से एनडीए ने आरजेडी को पीछे

छोड़ दिया था। नरकटियागंज सीट पर मुस्लिम वोटरों की आबादी 79 हजार के करीब है। अगर इस सीट पर कांग्रेस और बीजेपी के उम्मीदवारों के बीच सवर्ण वोट बटा तो आरजेडी कैंडिडेट को सीधा फायदा हो सकता है। वारिसलीगंज विधानसभा सीट पर आरजेडी ने अनीता महतो को उम्मीदवार बनाया है। अनीता महतो, बाहुबली सरदार अशोक महतो की पत्नी हैं। वहीं कांग्रेस ने वारिसलीगंज सीट पर सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह को उम्मीदवार बनाया है। बीजेपी ने यहां से अरुणा देवी को उम्मीदवार बनाया है। यहां पर मुकाबला दिलचस्प है। मंटन सिंह भूमिहार समाज के बीच काफी लोकप्रिय हैं तो अरुणा देवी भी भूमिहार समाज की ही लीडर हैं।2024 के लोकसभा चुनाव में वारिसलीगंज विधानसभा सीट पर बीजेपी ने आरजेडी पर 14 हजार छह सौ 31 वोट की लीड बनाई थी।जातीय समीकरण की बात करें तो यादव, भूमिहार, कुर्मी, मुस्लिम, रविदास और पासवान जैसी जातियों का वारसलीगंज में प्रभाव है।यहां भूमिहार वोटरों की आबादी 44 हजार है और मुसहर वोटरों की आबादी 36 हजार है। वैसे कांग्रेस और बीजेपी के बीच भूमिहार वोटरों के बंटने से थोड़ा फायदा मिल सकता है, लेकिन रविदास,पासवान और मुसहर वोटरों की वजह से बीजेपी का पलड़ा भारी हो सकता है। वैसे अनीता महतो को उम्मीद है कि कुर्मी वोटर उनका साथ देंगे। कहलगांव से जेडीयू ने शुभानंद मुकेश चुनावी मैदान में उतारा है।शुभानंद मुकेश, कांग्रेस के दिग्गज नेता सदानंद सिंह के बेटे हैं। वहीं आरजेडी ने यहां से रजनीश भारती तो कांग्रेस ने प्रवीण सिंह कुशवाहा को चुनावी मैदान में उतारा है। सदानंद सिंह अंग क्षेत्र में कुर्मी समाज के बहुत बड़े नेता थे,इसलिए कुर्मी समाज का एकतरफा समर्थन शुभानंद मुकेश को मिल सकता है। वैसे कांग्रेस को उम्मीद है कि प्रवीण सिंह कुशवाहा को कोइरी वोटरों का समर्थन मिल सकता है। कहलगांव सीट पर 60 हजार के करीब मंडल वोटर हैं तो मुस्लिमों वोटरों की संख्या 59 हजार है। इसके अलावा कहलगांव सीट पर यादव,ब्राह्मण, रविदास और पासवान वोटरों की अच्छी खासी संख्या है।

दिवाली के अवसर पर साईं बाबा को पांच करोड़ रुपये के आभूषणों से सजाया गया

शिरडी (एजेंसी)। दिवाली के अवसर पर शिरडी के साईं संस्थान द्वारा मंगलवार को साईं बाबा की मूर्ति को 5 करोड़ रुपये मूल्य के विभिन्न सोने और हीरे के आभूषणों से सुसज्जित किया गया। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर में परंपरा के अनुसार लक्ष्मी पूजन उत्सव मनाया गया। दिवाली के अवसर पर मंगलवार को शाम 5 से 5.55 बजे तक साईं बाबा समाधि मंदिर के प्रांगण में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर और उनकी पत्नी वंदना गाडिलकर द्वारा लक्ष्मी पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश पूजन, लक्ष्मी-कुबेर पूजन, सरस्वती पूजन और साईं धूप-नैवेद्य जैसे कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के पदाधिकारी, शिरडी ग्रामीण और साईं भक्त उपस्थित थे। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के बाद शाम 6 बजे श्री की धूपबत्ती की गई। धूपबत्ती के बाद साईं भक्तों के लिए दर्शन कतार शुरू कर दी गई। दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर को बिजली से जगमगाया गया। साथ ही, साईंबाबा समाधि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। किंवदंती है कि द्वारकामाई में दीपक जलाने के लिए तेल नहीं था इसलिए दिवाली पर साईंबाबा ने पानी से दीपक जलाए थे। इसलिए, आज भी शिरडी में कई साईं भक्त दीपक जलाकर साईंबाबा की स्मृति को जीवित रखते हैं। देश भर के विभिन्न स्थानों से साईं भक्त शिरडी आते हैं और साईंबाबा की द्वारकामाई के सामने और लेंडी बाग के प्रांगण में दीपक जलाते हैं। दिवाली के दौरान हर जगह मीठा भोजन परोसा जाता है। साईंबाबा, जिन्होंने शिरडी में एक फकीर का जीवन व्यतीत किया, आज भक्तों द्वारा सोने और चांदी से मढ़े हुए हैं। त्योहारों और उत्सवों के दौरान, साईंबाबा को सोने की थाली में प्रसाद चढ़ाया जाता है। साईंबाबा के दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था करने के लिए लगभग साढ़े छह हजार कर्मचारी और अधिकारी तैनात हैं। वाहन चालकों-मालिकों, लॉज मालिकों व कर्मचारियों, छोटे-बड़े व्यापारियों व मजदूरों को मिलाकर एक लाख से अधिक परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाबा की कृपा से लक्ष्मी प्राप्त करते हैं। लक्ष्मी पूजा के अवसर पर कई घरों में साईं बाबा की तस्वीर रखकर उनकी पूजा की जाती है। कुछ भक्तों ने लेंडीबाग में अपने परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा की।

चुनावी जंग के बीच लालू परिवार को चुनौतियों ने घेरा, सीबीआई ने खड़ी कर दी गवाहों की फौज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने की जंग हर एक राजनैतिक दल लड़ रहा है। सभी अपनी जीत के लिए जनता के बीच जाकर वादे कर रहे हैं उन्हे बता रहे हैं कि आपका सबसे ज्यादा हित कौन कर सकता है। इसी बीच लालू परिवार तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो यानी सीबीआई ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे।

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में

खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं।सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उक्त गवाहों से पूछताछ के बाद, सीबीआई आरोपियों के खिलाफ अपने आरोपों को पुष्ट करने के लिए कुछ और गवाह भी पेश करेगी।13 अक्टूबर को आरोप तय करते हुए विशेष सीबीआई कोर्ट के जज विशाल गोगने ने कहा था कि वे प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि लालू को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अपने आदेश में जज ने कहा, निविदा प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे... यह स्पष्ट संभावना के रूप में सामने आया है कि बिक्री के समय, ज़मीन के टुकड़ों का कम मूल्यांकन किया गया था और फिर वे लालू के हाथों में आ गए। न्यायाधीश ने 244 पृष्ठ के आदेश में मामले में मिलीभगत के पहलू को चिह्नित किया।बता दें कि सीबीआई ने यादव परिवार पर भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम की निविदाओं और अवैध भूमि हस्तांतरण में हेरफेर करने का आरोप लगाया था। लालू प्रसाद यादव पर रेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कोचर बंधुओं- विजय कोचर, विनय कोचर (दोनों मेसर्स सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक, होटल चाणक्य, पटना के मालिक) और अन्य के साथ मिलकर आपराधिक षड्यंत्र रचने के आरोप हैं, ताकि रांची और पुरी में रेलवे के बीएनआर होटलों को उप-पट्टे पर देने के लिए ठेके देने में फर्म को अनुचित लाभ पहुंचाया जा सके।

सीबीआई के आरोपपत्र के अनुसार, ठेके के बदले में कोचर ने कथित तौर पर पटना में एक प्रमुख भूखंड लालू प्रसाद के करीबी सहयोगी प्रेम चंद गुप्ता और उनके सहयोगियों द्वारा नियंत्रित एक कंपनी को बेच दिया और बाद में इस कंपनी को यादव के परिवार के सदस्यों ने अपने नियंत्रण में ले लिया और यह मूल्यवान संपत्ति मामूली कीमत पर उन्हें हस्तांतरित कर दी।

चिराग का राहुल और तेजस्वी पर तंज, महागठबंधन संभल नहीं रहा... बिहार संभालने का सपना देख रहे

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमों और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में महागठबंधन की स्थिति पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने महागठबंधन में एकता की कमी का दावा किया। इसके साथ ही, महागठबंधन के नेताओं पर समाज के वंचित वर्गों के साथ छल करने का आरोप लगाया। चिराग ने कहा, महागठबंधन में इतनी गड़बड़ी चल रही है, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं? क्या यह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे सभी के साथ बैठकर गठबंधन में अड़चनों को दूर करें? यह कांग्रेस और राहुल गांधी की गंभीरता की कमी को दिखाता है। उनका कहना है कि 14 नवंबर के बाद बिहार में एनडीए सरकार बनेगी

और लोगों ने समझ लिया है कि अगर महागठबंधन पांच पार्टियों को एक साथ नहीं रख सकता, तब वहां बिहार को कैसे एकजुट रख पाएगा। पासवान ने कहा, जो लोग गठबंधन को संभाल नहीं सकते, वे किस दुनिया में जी रहे हैं, यह सोचने वाली बात है। आज भी दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे इसतरह के बयान दे रहे हैं ताकि गठबंधन की अव्यवस्था या विफलता को छुपाया जा सके। दशरथ मांझी के बेटे भागीरथ मांझी को टिकट न मिलने पर उन्होंने कहा कि यह हमेशा से कांग्रेस और महागठबंधन नेताओं का तरीका रहा है। उनका उद्देश्य वंचित वर्गों का अपमान, भ्रम और धोखा देना है और मौका मिलते ही वे सिर्फ अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति करते हैं। चिराग पासवान ने महागठबंधन में हुए पूरी तरह के टूट की ओर इशारा कर कहा, इतनी गड़बड़ी के बावजूद अगर वे सत्ता की उम्मीद कर रहे हैं, तब यह मुंगेरी लाल के सपने के समान है। इस दौरान, चिराग पासवान ने राहुल गांधी पर भी तंज कसा। उन्होंने जलेबी का जिक्र कर कहा, वे जिस तरीके से हरियाणा में औंधे मुंह गिरे, बिहार में भी यही हाल होने वाला है।

महाराष्ट्र सरकार ने फसल क्षतिपूर्ति के लिए 648 करोड़ रुपये मंजूर किए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने इस साल मानसून के दौरान अत्याधिक बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए 648.15 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह जानकारी राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव-पाटिल ने मंगलवार को दी। मंत्री जाधव-पाटिल ने बताया कि इस वर्ष राहत योजना में बदलाव करते हुए राहत सीमा को दो हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन हेक्टेयर कर दिया गया है। इसका उद्देश्य वर्षा और बाढ़ प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस संबंध में सरकारी प्रस्ताव (जीआर) जारी कर दिया गया है। जाधव-पाटिल ने कहा कि राहत एवं पुनर्वास विभाग ने चालू खरीफ सत्र के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों की सहायता के लिए अब तक लगभग 8,139 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस नए फैसले से 6,12,177 किसानों को लाभ मिलेगा और 6,56,310.83 हेक्टेयर प्रभावित फसल क्षेत्र को राहत योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार किसानों की हर संभव मदद सुनिश्चित कर रही है ताकि वे प्राकृतिक आपदाओं के आर्थिक नुकसान से जल्दी उबर सकें।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सियासत शुरु आप ने सरकार पर साधा निशाना

ऑडिट रिपोर्ट में मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भयानक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण को लेकर अब सियासत शुरु हो गई है। आप के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि दिवाली के बाद आर्टिफिशियल रेन कराकर हवा साफ कर दी जाएगी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, पटाखा लॉबी को करोड़ों का फायदा हुआ है। सवाल यह है कि यह फायदा किसे बांटा गया? पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में अगर प्रतिबंधित पटाखे बिके, तो यह सीधी साठगांठ का मामला है। उन्होंने पूछा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, तो बाकी पटाखों की बिक्री कैसे हुई?

भारद्वाज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब यह लगभग तय है कि बीजेपी सरकार का पटाखा लॉबी के साथ समझौता है।

उन्होंने कहा, दिवाली की रात पीएम2.5 और पीएम10 का डेटा उपलब्ध क्यों नहीं है? डीपीसीसी के कई मॉनिटरिंग स्टेशन से जानकारी गायब क्यों थी? क्या सरकार अब प्रदूषण के आंकड़ों से छेड़छाड़ कर रही है? सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, जिस सरकार की मुख्यमंत्री को एक्यूआई भी सही से बोलना नहीं आता, वो आईक्यू, एआईक्यू, क्यू पता नहीं क्या बोलती हैं। उनसे प्रदूषण नियंत्रण की क्या उम्मीद की जाए? उन्होंने कहा कि बीजेपी अब वही डिफोमिंग एजेंट यमुना में डालकर दिखावा कर रही है, जिसके इस्तेमाल पर पहले वह आम आदमी पार्टी को कोसती थी। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के पूर्व पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने भी बीजेपी सरकार को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली का प्रदूषण रेड जोन में पहुंच गया है, लेकिन सरकार सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त है। उन्होंने कहा बीते 20 दिनों में सरकार ने न तो कोई ठोस कदम उठाया और न ही कोई प्रभावी बातचीत की। जबकि विंटर एक्शन प्लान भी देर से घोषित किया गया। गोपाल राय ने कहा कि बीजेपी के पास अब कोई बहाना नहीं बचा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और केंद्र सभी जगह बीजेपी की ही सरकार है। उन्होंने कहा, अगर प्रदूषण बाहरी इलाकों से आता है, तो भी जिम्मेदारी उन्हीं की बनती है। बीजेपी सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि, तुरंत प्रभावी कदम उठाए, क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का स्तर और बढ़ सकता है।

बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार से तेजी से कम हो रहे देश में हाथी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बीते आठ साल में हाथियों की संख्या में 25 फीसदी की कमी हुई है। 2017 के बाद पहली बार हुई हाथियों की गणना के मुताबिक, बिजली का झटका, ट्रेन की टक्कर, अवैध शिकार और आवास का नुकसान भारत भर में हाथियों की मौत के प्रमुख कारण हैं। देश में 2017 में 29,964 हाथी जो मौजूदा समय में घटकर 22,446 रह गए हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक कमर कुरैशी ने कहा कि हाथियों को मारने वाली चीज आवास की हानि, बिजली का झटका और खेतों के चारों ओर जवाबी बाड़ लगाना है। वैज्ञानिक कुरैशी ने ही 14 अक्टूबर को जारी पहले डीएनए-आधारित हाथी जनसंख्या अध्ययन का नेतृत्व किया था।

भारत 1992 में शुरू की गई परियोजना हाथी के तहत 150 गलियारों को मान्यता देता है। लेकिन बढ़ती संख्या में-15 हाथी रेंज राज्यों में फैले अब सड़कों, पटरियों, बिजली लाइनों, खदानों और बस्तियों द्वारा प्रतिच्छेदित हैं। पश्चिमी घाट में, जहां सबसे अधिक 12,000 हाथी हैं। मध्य भारत में, खनन पट्टों ने कभी सटे हुए वन क्षेत्रों को खा लिया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा संसदीय प्रस्तुतियों के आधार पर, 2017 और 2025 के बीच करीब 500 हाथियों की मौत बिजली के झटके से हुई। 100 हाथियों की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई और 50 हाथियों का अवैध शिकार हुआ। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि ये आंकड़े वास्तविक संख्या से कम होने की संभावना है, क्योंकि कई प्रविष्टियों को आंकड़ा उपलब्ध नहीं के रूप में चिह्नित किया गया है। एक रिपोर्ट में 3,452 किलोमीटर के क्षेत्रीय सर्वेक्षणों के आधार पर 14 राज्यों के 77 खंडों को हाथियों के लिए उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बताया गया था। डब्ल्यूआईआई द्वारा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रेलवे और राज्य वन विभागों के सहयोग से तैयार की गई रिपोर्ट में 705 शमन संरचनाओं के निर्माण की सिफारिश की गई थी।

किस राज्य में कितने हाथी?

ताजा गणना में केरल (2,921), असम (1,560), मेघालय (1,077), ओडिशा (1,064) और अरुणाचल प्रदेश (997) में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई। कुछ राज्यों ने मामूली वृद्धि हुई, जिसमें टीएन (375), छत्तीसगढ़ (204), पश्चिम बंगाल (188), एमपी (90) और महाराष्ट्र (57) शामिल हैं। आईयूसीएन एशियाई हाथी विशेषज्ञ समूह के सदस्य कौशिक बरुआ ने कहा कि 2024 में अंतिम अनुमान अभ्यास के दौरान, असम ने कुल गणना पद्धति का उपयोग किया, जो हमारे इलाके के लिए सबसे उपयुक्त है।

संपादकीय

त्योहार के मौसम में सफर

दीपावली और छठ पर्व करीब आते ही राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। खासतौर से उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी अपने घर लौटने के लिए देश भर के रेलवे स्टेशनों पर दिखाई दे रहे हैं। गुजरात के सूरत से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 6 से करीब दो किलोमीटर दूर तक यात्रियों की लंबी लाइन लगी थी। स्टेशन परिसर में और परिसर के बाहर लिम्बायत इलाके में यात्रियों की लंबी $कतारें लग गई थीं। 12-14 घंटों तक लोग लाइनों में लगे रहे ताकि उन्हें ट्रेन में चढ़ने मिल जाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जब से देश की सत्ता संभाली है, उन्होंने लोगों को कतारों में खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है। पहले नोटबंदी के वक्त लोग इसी तरह घंटों लाइन में लगे रहते थे। फिर कोरोना के समय लॉकडाउन कर दिया तो लोग घर लौटने के लिए बस, ट्रेन के इंतजार में लाइन में लग गए। बीमार हुए तो अस्पतालों में बिस्तर कम होने के कारण भर्ती के इंतजार में लाइन में लगे और बिस्तर मिल गए तो ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए लाइन में लगे। हालांकि इसके बाद भी राहत नहीं मिली, क्योंकि फिर अपने मृत परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए भी कतारों में लगने का दर्द लोगों को सहना पड़ा है। पांच साल में देश-दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। लेकिन भारत जैसे वहीं का वहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार सत्ता में आ गए। वे अब भी यहां-वहां ट्रेनों को हरी झंडियां दिखा रहे हैं, नए विमानतलों का उद्घाटन कर रहे हैं। उनका दावा अब भी वही है कि मैं हवाई चप्पल वालों को हवाई जहाज में यात्रा करते देखना चाहता हूं। लेकिन हकीकत ये है कि न नई ट्रेनों का लाभ आम आदमियों को मिल रहा है, न हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करने का सुख पा रहे हैं। बल्कि पहले से अधिक असुविधा और अपमानजनक रवैया का शिकार हो रही है।

बहुत ही नाजुक डोर से बंधा पाक-अफगान सीजफायर

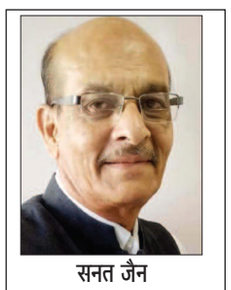
सनत जैन

दुनियां आज उस दौर से गुजर रही है, जहां चारों ओर बारुद के ढेर पर खड़े होकर आग का तमाशा दिखाने और देखने वालों का मजमा लगा हुआ है। ऐसे में शांतिप्रिय देशों और उनके लीडरों को आगे आना चाहिए, ताकि तृतीय विश्वयुद्ध की आशंकाओं से दुनियां को बाहर निकाला जा सके। यह अलग बात है कि जो देश और लीडर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं वो भी किसी न किसी रुप में युद्ध में उलझे नजर आते हैं। चिंता की बात तो यह भी है, कि जो शक्तिसंपन्न राष्ट्र हैं वो भी बात तो शांति की करते हैं, लेकिन युद्ध को जारी रखने और ज्यादा भयावह बनाने के लिए जरुरत से ज्यादा जंग का साजो-सामान मुहैया कराने से गुरेज भी नहीं कर रहे हैं। नतीजा यह, कि विकासशील और अविकसित छोटे-छोटे देश भी कर्ज लेकर खुद को सामरिक तौर पर मजबूत बनाने में लगे हुए हैं। इस स्थिति में शांति के साथ दुनियां को बेहतर भविष्य देने वालों का हाल क्या होगा, आसानी से समझा जा सकता है। यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि बारुद के ढेर को उड़ाने के लिए माचिस की एक तिली ही काफी होती है, लेकिन उस आग को काबू पाने में तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो जाती हैं। इसलिए बारुद का ढेर बनाने और उस पर नाचने वालों को रोकना होगा। इसके लिए सबसे पहले जरुरी हो जाता है कि पड़ोसी मुल्क जंग में उतरने की बजाय मानवता के नाम पर शांति और सहअस्तित्व को अपनाते हुए शांतिपथ पर अग्रसर हों। फिर चाहे वह रुस और यूक्रेन की जंग हो या फिर गाजा में इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते के बाद हो रहे हमले हों, इन्हें रुकना ही चाहिए। जहां तक पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष की बात है तो इसे भी समय रहते रोका जाना चाहिए, क्योंकि इसकी आंच पड़ोसी देशों तक पहुंचने में देर नहीं करेगी। राहत की बात यह है, कि हाल ही में हुए खूनी संघर्ष के बाद दोनों देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति तो बना ली है, लेकिन यह समझौता उतना ही कमजोर और अस्थिर है जितनी कि किसी नाजुक डोर पर तेज हवा में अठखेलियां करती पतंग। पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि यह सीजफायर बहुत नाजुक लाइन पर टिका हुआ है। वहीं अफगानिस्तान ने साफ शब्दों में कहा है, कि पाकिस्तान अपने ही राजनीतिक विरोधियों को आतंकवादी कहकर बदनाम करता है और अपने अंदर झांकने को तैयार नहीं है। दरअसल, इस्लामाबाद और काबुल के बीच का समझौता तुर्की और कतर की मध्यस्थता में हुआ, जिसमें यह तय हुआ कि दोनों देश एक-दूसरे की सीमाओं का उल्लंघन नहीं करेंगे और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को रोकेंगे। इस समझौते के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, कि यह सीजफायर तभी कायम रहेगा जब अफगान की तालिबान सरकार पाकिस्तान पर हमला करने वाले समूहों पर सख्ती से लगाम लगाएगी। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, अफगानिस्तान से आने वाली कोई भी चीज इस समझौते का उल्लंघन होगी। सब कुछ इसी एक लाइन पर टिका है। कुल मिलाकर ख्वाजा आसिफ का यह बयान बताता है कि पाकिस्तान को तालिबान पर भरोसा नहीं है। एक वजह यह हो सकती है कि पाकिस्तान डरा हुआ है, कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल उसके खिलाफ करने की साजिशें फिर से शुरू हो सकती हैं। खासकर पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) जैसे संगठन, जो वर्षों से इस्लामाबाद के लिए सिरदर्द बने हुए हैं, उनकी गतिविधियों पर पाकिस्तान की चिंता लाजमी है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने चेताते हुए कहा, सभी पक्षों को समझौते के हर प्रावधान का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा, काबुल इन शर्तों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है, लेकिन अगर पाकिस्तान अपने दायित्वों को पूरा नहीं करता है, तो इससे समस्याएं पैदा होंगी। यह अलग बात है कि याकूब ने मध्यस्थ देशों तुर्की और कतर से इस समझौते के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद करने की भी अपील कर दी है। इसका मतलब साफ है कि अफगानिस्तान नहीं चाहता कि संघर्ष हो और खून-खराबे की नौबत आए। वैसे भी अफगानिस्तान दशकों से युद्ध की विभीषिका को झेलता आया है, ऐसे में अब वह शांति के साथ आगे बढ़ना और बेहतर जिंदगी को तलाशना चाहता है। इसलिए अफगान मंत्री ने पाकिस्तान के उस आरोप को भी सिरे से खारिज किया, कि भारत, अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ करता है। उन्होंने कहा कि ये सभी दावे बेबुनियाद और निराधार हैं। इस संबंध में याकूब मुजाहिद का कहना था, कि हमारी नीति कभी भी अपने क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य देश के खिलाफ करने की नहीं रही है। हम भारत सहित सभी देशों के साथ स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध बनाए रखना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य संबंधों का विस्तार करना है, तनाव पैदा करना नहीं। बहरहाल पाकिस्तान जहां लगातार अफगानिस्तान पर आतंकियों को शरण देने का आरोप लगाता आया है, वहीं अफगानिस्तान का मानना है कि पाकिस्तान खुद अपनी घरेलू असफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ता है। दरअसल, तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान ने खुद को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। वहीं पाकिस्तान, जो लंबे समय तक अफगान मामलों में मददगार की भूमिका निभाता आया है, अब खुद को धीरे-धीरे हाशिए पर महसूस करने लगा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहद संवेदनशील और अविश्वास के धरातल पर टिके हुए हैं। सीजफायर का यह समझौता फिलहाल क्षेत्र में शांति की एक क्षणिक उम्मीद बनकर जरूर उभरा है, लेकिन इसके स्थायी बने रहने के लिए जरूरी है कि दोनों देश अपने राजनीतिक और सामरिक एजेंडे से ऊपर उठकर वास्तविक सहयोग की भावना दिखाएं। अन्यथा, यह नाजुक डोर कभी भी टूट सकती है, और तब दक्षिण एशिया में अस्थिरता की नई लहर उठ खड़ी होगी।

स्नेह, त्याग और विश्वास की उजली परंपरा भाई दूज

योगेश कुमार गोयल

आमतौर पर दीपावली के दो दिन बाद अर्थात कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाए जाने वाले भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि इस वर्ष दीवाली 20 अक्तूबर को मनाई गई और भाई दूज पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। पंचांग के अनुसार इस साल कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि 22 अक्तूबर को रात 8 बजकर 17 मिनट पर शुरू हो रही है और 23 अक्तूबर को रात 10 बजकर 47 पर समाप्तं होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार भाईदूज का पर्व 23 अक्तूबर को मनाया जाएगा और शुभ मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 2 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए।

यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से ह्यभाई दूजह्ल का पर्व मनाया जाने लगा।

भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी-एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी।

कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है।

जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई।

सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवार वालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सब को विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढ़ेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया। भाई-बहन के बीच इसी प्रकार के पावन संबंध, प्रेमभाव तथा उनके दिलों में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही 'भाई दूज' पर्व मनाया जाता है।

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है।

केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60-70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है।

भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार

का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है।

इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है।

दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम तिमाही, अप्रेल-जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई-सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर-दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है। इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है।

भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का स्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60-70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा।

भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वाताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है। साथ ही, भारत और अमेरिका के बीच भी द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता नवम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की सम्भावनाएं अब दिखाई देने लगी है। सम्भव है कि नवम्बर 2025 माह में अमेरिका के राष्ट्रपति डानल्ड ट्रम्प भारत आकार इस समझौते की घोषणा करें।

रूस के राष्ट्रपति श्री बलादिमिर पुतिन भी शीघ्र भारत आ रहे हैं और रूस के भारत के साथ व्यापार बढ़ाने पर जोर दिए जाने की प्रबल सम्भावना है। भारत अभी रूस से भारी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कर रहा है एवं रूस को भारत से निर्यात होने वाले उत्पादों की मात्रा अभी बहुत कम है। इस तरह भारत का रूस के साथ व्यापार घाटा बहुत अधिक हो गया है। चीन के साथ भी भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक मात्रा में है, जिसे कम करने के लिए चीन के साथ भी भारत की बातचीत चल रही है।

कुल मिलाकर आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक विकास दर के तेज होने की प्रबल सम्भावना है, जो 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक के आंकडें को भी छू सकती है।

चिंतन-मनन

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं।

भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शाह्वाह में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अमरोहा में गौशालाओं में धूमधाम से मनाई गई गोवर्धन पूजा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की सभी गौशालाओं में गोवर्धन पूजा का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त ने विभिन्न गौशालाओं में पूजा-अर्चना की। सर्वप्रथम जोया की कान्हा गौशाला में अधिशासी अधिकारी विपिन सिंह की उपस्थिति में विधिवत पूजन किया गया। गौवंश को गुड़ और केले खिलाए गए, साथ ही स्टाफ को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कटाई मिल गौशाला में भी गोवर्धन पूजा का आयोजन हुआ, जहां महिला समूहों द्वारा बनाई गई सुंदर रंगोली की मुख्य विकास अधिकारी ने सराहना की। एक बीमार गौमाता की पूजा कर उनके उपचार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। सभी गौवंश को गुड़ खिलाया गया इसके बाद धनौरा की चुचेला कला गौशाला में नगर पालिका अध्यक्ष अग्रवाल की उपस्थिति में पूजा संपन्न हुई। इस दौरान ग्राम प्रधान, सचिव, और पशुधन प्रसार अधिकारी नेपाल सिंह आदि मौजूद रहे। अस्थायी गौ आश्रय स्थल डीगरा में डॉ. आभा दत्त ने डॉ. कुलदीप सिंह और दिग्विजय सिंह के साथ गोवर्धन पूजा की और गौवंश को गुड़ खिलाया। सभी गौशालाओं में संरक्षित गौवंश की स्वास्थ्य स्थिति संतोषजनक पाई गई। इस आयोजन ने गौसेवा के प्रति समुदाय की निष्ठा और गौवंश के संरक्षण के महत्व को दर्शाया। पूजा के दौरान गौशालाओं में स्वच्छता और गौवंश के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया, जिससे यह आयोजन और भी सार्थक बन गया।

गोवर्धन की पूजा अर्चना कर लिया गया प्रकृति संरक्षण का संकल्प

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम नगलिया मुंशी में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने गोवर्धन की पूजा अर्चना की। साथ ही प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि प्रकृति प्रदत्त जीवनोपयोगी चीजों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। बिजली, पानी का दुरुपयोग न करके इसका उपयोग बुद्धिमानी से करना चाहिए। किसानो को पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए जैविक खाद, जैविक कीटनाशक का उपयोग करके मिश्रित फसलें उगानी चाहिए। वृक्षों के अवैध कटान को रोकते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महिपाल सिंह,रूपचंद चौहान, सुरेन्द्र शर्मा,सुधांशु राजपूत, गायत्री देवी,भाग्यवती देवी, लवकुश ,दिव्यप्रकाश, खड़क सिंह आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम रझोहा में जागरूकता चौपाल का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना): - जिले में मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-5.0) 17 अक्टूबर को (मेगा इवेन्ट) महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन द्वारा निर्गत मिशन शक्तिह्ल (फेज-05) की कार्य योजना दिनांक 17 अक्टूबर से 03 नवंबर तक जागरूकता चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। तत्क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के नेतृत्व/निर्देशन में जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार बुधवार को जनपद अमरोहा ब्लॉक हसंपुर ग्राम रझोहा में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें घरेलु हिंसा एवं दहेज उन्मूलन विषय पर चर्चा करते मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, एवं स्पॉन्सरशिप योजना ,निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया।
इस अवसर पर ममता दुबे, सेंटर मैनेजर अनुराधा भारती, पेरामेडिकल नर्स, तरन्नुम, केस वर्कर आदि उपस्थित रहे।

बहजोई में गोवर्धन सेवा समिति द्वारा गोवर्धन पूजा के अवसर पर धार्मिक आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में गोवर्धन सेवा समिति, द्वारा दीपावली के पश्चात गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर एक धार्मिक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा, छप्पन भोग, गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा, भजन संध्या और भंडारे जैसे विविध कार्यक्रमों ने भक्तों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रथ यात्रा में भक्ति भजनों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात भक्तों ने मेवा और अन्य सामग्रियों से गोवर्धन पर्वत की रचना की और उसकी परिक्रमा कर भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया। छप्पन भोग का आयोजन भी इस अवसर की विशेषता रहा, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग लगाया गया। शाम के समय आयोजित भजन संध्या में भक्तों ने भक्ति भजनों और कीर्तन के माध्यम से भगवान की महिमा का गुणगान किया। भजन संध्या ने सभी उपस्थित लोगों को भक्ति रस में डुबो दिया। कार्यक्रम में दोपहर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी भक्तों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। इस भंडारे में सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी। इस आयोजन में विकास मिल वाले, हिमांशु खाद, संजीव आढती, नीरज गोपी मिल, महेश गुरुजी, गौरव, प्रमोद खनूजा, दिनेश चंद बैंक वाले, अभिमन्यु गांधी, मुकेश भगत जी, प्रमोद डीसी, गुंजन, निवेदिता, संध्या, मोनिका, भावना सहित अनेक भक्तों ने सक्रिय भागीदारी की। समिति के सभी सदस्यों और भक्तों के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। गोवर्धन सेवा समिति ने इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में भक्ति और एकता का संदेश प्रसारित किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे गया।

लूट की झूठी सूचना देने वाले दो अभियुक्त पुलिस की हिरासत में

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लूट की झूठी सूचना देकर सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 20 अक्टूबर को थाना बहजोई पुलिस ने ग्राम कनैटा से दो अभियुक्तों, विनोद पुत्र नवरत्न और मुकेश राणा पुत्र ब्रजपल, दोनों निवासी ग्राम कनैटा, थाना बहजोई, जनपद सम्भल, को हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अभियुक्तों द्वारा दी गई लूट की सूचना पूरी तरह फर्जी थी। इस कृत्य से न केवल पुलिस प्रशासन का समय बर्बाद हुआ, बल्कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित हुई। पुलिस ने गहन जांच के बाद दोनों अभियुक्तों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों का चालान कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक विश्नोई ने बताया कि जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और इस तरह के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अफवाहों और झूठी सूचनाओं से बचें और पुलिस के साथ सहयोग करें। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच दहशत का माहौल है, और पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में 22 अक्टूबर को जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

गोवर्धन पर्व पर जिलाधिकारी ने की गौ पूजा, दिया गौ संरक्षण का संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- गोवर्धन पर्व के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने विकास खंड बहजोई के घासीपुर स्थित गौ आश्रय स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ गौ पूजा की और गौ माता के संरक्षण व सेवा का महत्वपूर्ण संदेश दिया। जिलाधिकारी ने गौ आश्रय स्थल में गायों की स्थिति का जायजा लिया और उनकी देखभाल के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं और उनका संरक्षण हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेंद्र सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर गौ पूजा में हिस्सा लिया और गौ आश्रय स्थल के बेहतर संचालन के लिए प्रतिबद्धता जताई। यह आयोजन स्थानीय समुदाय में गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पशु कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गांव में दो पक्षों में हिंसक झड़प, कई घायल, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना गुन्नौर क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर में दो पक्षों के बीच हुए हिंसक झड़प ने गांव में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। इस घटना में दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौच, जान से मारने की धमकी और लाठी-डंडों, ईंट-पत्थरों से हमला किया, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। भगदड़ के कारण लोग डर के मारे अपने घरों में छिप गए और खिड़की-दरवाजे बंद कर लिए। इस दौरान कई लोगों के जूते-चप्पल भी छूट गए। पुलिस के अनुसार, प्रथम पक्ष के धर्मपाल पुत्र गोविंदर सिंह, विजय पुत्र धर्मपाल, नीरज पुत्र धर्मपाल, विष्णु पुत्र निहाल सिंह, बिसम्बर पुत्र शिशुपाल, रविकरण पुत्र बिजेंद्र सिंह और द्वितीय पक्ष के ताले उर्फ तालेवर पुत्र मोहनलाल, मनोज पुत्र राजवीर, राजवीर पुत्र गंगाराम, सत्यपाल पुत्र पर्वत सिंह, हरज्ञान पुत्र पर्वत सिंह, सभी निवासी अकबरपुर, के साथ 8-10 अज्ञात लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया। स्थानीय उप-निरीक्षक ने अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को चेतावनी दी, लेकिन स्थिति नियंत्रित न होने पर थानाध्यक्ष से अतिरिक्त पुलिस बल मांगा गया। थाने से उप-निरीक्षक रोहित कुमार, कांस्टेबल विकास कुमार, अमन दीप और संजीव कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने धर्मपाल, विजय और विष्णु को मौके पर हिरासत में लिया, जबकि घायल बिसम्बर, रविकरण, ताले उर्फ तालेवर, मनोज और नीरज को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए सीएचसी गुन्नौर भेजा गया। अन्य आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर फरार हो गए। घटना के संबंध में स्थानीय थाने पर उक्त सभी 11 नामजद व्यक्तियों और 8-10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

संभल में सर सय्यद अहमद खान के जन्म दिन पर उन्हें किया गया याद

संभल(सब का सपना):- एएमयू संस्थापक सर सैयद अहमद खान के जन्मदिन के उपलक्ष में जश्ने सर सय्यद का आयोजन उत्साह और सम्मान के साथ किया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि सर सैयद एक महान सोशल रिफॉर्मर थे, जिन्होंने 1875 में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (अटव) की स्थापना की, ताकि हिंदुस्तान के लोग आधुनिक अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर सकें। आज भी अटव वह संस्थान है जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों साथ मिलकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं– जो सर सैयद की दूरदर्शिता और एकता के संदेश का जीवंत प्रतीक है। चंदौसी रोड के.एन. रिजॉर्ट में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. रफीउद्दीन डीसीडब्ल्यू एएमयू रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हमें मॉडर्न एजुकेशन और टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देना चाहिए और सर सैयद अहमद खान के दिखाए रास्ते पर चलने की आवश्यकता है। सभी मेहमानों की मेजबानी संभल के अलीग्स ने की। जिनमें डॉ. मोहम्मद शावेज, डॉ. मोहम्मद शारीक, और डॉ. कफील अग्रणी रहे सभी ने विभिन्न स्थानों से आए मेहमानों का गर्मजोशी से स्वागत किया। संचालन डॉ. शहजाद ने किया। डॉ. शारिक अकील ने कहा कि गांधी जी और नेहरू जी दोनों सर सैयद से अत्यंत प्रभावित थे। प्रो. मोहम्मद शाहिद ने कहा कि संभल में शिक्षा को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। अतिथियों में प्रो. मोहम्मद आसिफ खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि सर सैयद को पूरे उपमहाद्वीप में मसीआह ऑफ एजुकेशन कहा जाता है। प्रो. बृज भूषण सिंह ने कहा कि सर सैयद अहमद खान और एएमयू हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हैं। विशेष अतिथियों में हसन सरदार और मंसूर आलम शामिल रहे। संभल के अतिथि में विधायक इकबाल महमूद रहे। सभी अतिथियों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया ओर बेज लगाए गए। कार्यक्रम में संभल के सक्रिय अलीग्स में डॉ. रशीक, तंजीम रजा, एडवोकेट कासिम जमाल, हाजी बॉबी, मोहम्मद अमजद, अतहर उल्ला खान, मुगल फैजान,सुभान आदिल, शेर मोहम्मद, फैसल कसीर आदि शामिल रहे। अंत में कार्यक्रम का समापन जन गण मन और एएमयू का तराना प्रस्तुत कर किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय अलीग में सांसद पिता मौलाना ममलुकु रहमान बर्क, हारिस हुसैन इंजीनियर, डॉङ्क बिलाल वारसी, डॉङ्क जिकरुल हक, सेठ कासिम, हाजी जुबैर, डॉङ्क शहजाद आलम, जमाल एडवोकेट, नदीम खान, चौधरी मुदब्बीर, जकी उर रहमान, मोहम्मद अरकान आदि शामिल रहे।

चाँद न दिखने के कारण 24 अक्टूबर को होगी जुमादल ऊला की पहली तारीख:- मरकज

सम्भल(सब का सपना):- मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम में मरकजी रुयते हिलाल कमेटी (रजि.) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता शहर मुफ्ती कारी अलाउद्दीन अजमली ने की। इस दौरान चाँद के अवलोकन (रुयत-ए-हिलाल) पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि सम्भल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में चाँद दिखाई नहीं दिया। कमेटी ने मुल्क के कई क्षेत्रों से संपर्क किया, लेकिन कहीं से भी चाँद नजर आने की खबर नहीं मिली। इसके आधार पर कमेटी ने ऐलान किया कि 23 अक्टूबर (जुमेरात) को चाँद की 30 तारीख होगी, और 24 अक्टूबर (जुमा) को जुमादल ऊला की पहली तारीख होगी। बैठक में कारी तनजीम अशरफ अजमली, मुफ्ती आलम नूरी, मुफ्ती हसीब अख्तर, मौलाना शमशाद मिस्बाही, कारी वसी अशरफ, कारी गुलाम मुदस्सिर, कारी शाहिद, कारी सरताज, कारी सलमान, ख्वाजा कलीम अशरफ सम्भली, हाजी जफीर अहमद, सय्यद अब्दुल कदीर, कारी जाहिद, तकी अशरफ एडवोकेट, मास्टर इस्माईल, सुब्हान अजमली सहित कई अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

तिगरी गंगा मेला स्थल पर पहुंचे झूले और हिंडौले

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगा धाम तिगरी में लगने वाले ऐतिहासिक गंगा स्नान के मेला स्थल पर लोगों का आवागमन शुरू हो गया है। साथ ही मेले में लगने वाले बड़े-बड़े हिंडोले एवं झूले आदि को शुरू करने के लिए दुकानदारों की तैयारियां तेज हो गई हैं। बता दें कि गंगा धाम तिगरी में लगने वाले ऐतिहासिक मेले की तैयारी को लेकर प्रशासन काफी समय पहले से ही अलर्ट हैं। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस दौरान मेला स्थल पर कई बार बैठकें संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की ,जिसमें मेला स्थल पर पहुंची अमरोहा डीएम निधि गुप्ता वत्स एवं एसपी अमित कुमार आनंद ने संबंधित अधिकारियों को मेले की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे जिसमें उन्होंने 28 अक्टूबर तक मेले की सभी तैयारियां को पूर्ण रूप से पूरी करने के लिए कहा गया था। बुधवार को मेला स्थल पर लोगों का आवागमन देखने को मिला उधर मेले में लगने वाले बड़े-बड़े हिंडोल एवं झूलों सहित छोटे-मोटे दुकानदार भी मेला स्थल पर पहुंच चुके हैं। इसके अलावा मेला स्थल पर जगह के लिए स्पेस बनाने के लिए भी लगातार काम जारी है।अमरोहा एसपी अमित कुमार आनंद एवं डीएम निधि गुप्ता वत्स लगातार मेला स्थल का निरीक्षण कर रहे हैं,संबंधित अधिकारी भी मेला स्तर पर प्रतिदिन अपनी हाजिरी दे रहे हैं।

श्रीरामजानकी मठ कसया पर श्रद्धा और उल्लास के साथ मना अन्नकूट उत्सव

संवाददाता

कुशीनगर। नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर मठ परिसर में बुधवार को भक्तों की भारी उपस्थिति के बीच अनवरत 38वें वर्ष अन्नकूट उत्सव का भव्य आयोजन हुआ। महन्त त्रिभुवन शरण दास व पुजारी देव नारायण शरण ने विधिवत पूजा-अर्चना कर ठाकुर जी को 56 प्रकार के पारंपरिक व्यंजन अर्पित किए। यह महाप्रसाद हजारों श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया, जिन्होंने ढोल, नगाड़े, घंटे, घड़ियाल और जयकारों के साथ प्रसाद ग्रहण कर उत्सव को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया। स्थानीय समाज के लिए यह अन्नकूट उत्सव सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान मठ परिसर श्रद्धालुओं से गुलजार रहा, जो दिन भर भजन-कीर्तन और धार्मिक रस्मों में शामिल होने के लिए आए थे। शाम तक उत्सव का उल्लास जारी रहा। कसया के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले इस उत्सव ने नगर की सामाजिक एकता को भी मजबूत किया। श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर एक-दूसरे से मेल-मिलाप बढ़ाया और सांस्कृतिक परंपराओं के जीवित रहने को संजोया। इस अवसर पर विधायक कुशीनगर पीएन पाठक, नपाप अध्यक्ष किरन जायसवाल, प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, परशुराम दास, इन्द्रासन प्रसाद संतजी, सुरेश तिवारी, रामदयाल पटेल, सुरेश प्रसाद गुप्ता, शिवनाथ सिंह, नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, दिनेश तिवारी, सुमित तिवारी, शिवानंद धर दुबे, इंद्र कुमार मिश्र, डॉ. हरिओम मिश्र, राघवेंद्र तिवारी, अनमोल तिवारी, नागेंद्र पांडेय, मनीष चौरसिया, दिव्यांशु, शिवानी, सावित्री देवी, ममता कश्यप, गुड्डी मद्देशिया, गंगोत्री देवी, खुशी, विजय चौरसिया, आद्या पांडेय, राजेश राव, अमिय कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गन्ने के साथ आलू की खेती लाभकारी, बढ़ेगी उपज

आलू 90 से 100 दिनो में तैयार होगा: ओम प्रकाश गुप्ता

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा विकास ग्राम रामपुर पोटवा पंचायत भवन में शरदकालीन गन्ना विकास गोष्ठी का आयोजन किया गया। पूर्व सहायक निदेशक, गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि शरदकालीन गन्ने के साथ आलू की सहफसली खेती से मात्र 90 से 100 दिनो में एक एकड़ में 80 से 90 कुन्तल आलू होगा। आलू बोने से गन्ने की 40 से 50 कुन्तल औसत उपज बढ़ जायेगी। दस रुपया किलो आलू बेचने पर 80 से 90 हजार का होगा। जिससे किसानो की आय बढ़ेगी। गन्ने की उत्पादन लागत घटेगी। अवध चीनी मिल के गेट परिक्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने तथा शरदकालीन गन्ने को आधुनिक शोध तकनीक का बेहतर ढंग से उपयोग कर गन्ने की उत्पादकता एवं चीनी परता में वृद्धि करने एवं गन्ने के साथ सहफसली खेती करके किसान की आय बढाने के लिए अधिशासी अध्यक्ष आर. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में गांव-गांव में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। गन्ना विशेषज्ञ श्री गुप्ता ने किसानो को गन्ने के साथ आलू का फोटोग्राफ दिखाते हुए बताया कि गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां को.0118, को.शा.13235, को. 15023, को. लख.14201 हैं।जिन खेतों में पानी लगता है उसमें को. पंत 9301 की बुवाई करें। शरदकालीन गन्ने की दो पंक्तियों के बीच 4 फुट की दूरी रखें, उस चार फुट में आलू की दो पंक्तियां बोएं। आलू की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियां कुफरी बादशाह, कुफरी शक्तिमान, कुफरी लालिमा आदि की बुवाई अक्टूबर-नवंबर में करें। एक एकड़ खेत की बुवाई में 8 से 9 कुंतल आलू लगेगा।आलू के लिए अलग से उर्वरक का प्रयोग करें। बुवाई के समय गन्ने की दो पंक्तियों के बीच में प्रति एकड़ 75 किलोग्राम डीएपी, 50 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश या तीन बोरा जैविक पोटाश (चीनी मिल का) अच्छी तरह गुड़ाई कर मिट्टी में मिला दें। अधिक उपज लेने के लिए एक एकड़ खेत में अंतिम जुताई के समय तीन या चार ट्रॉली गोबर की सड़ी खाद अवश्य प्रयोग करें। आलू बोने के 30 से 35 दिनों पर मिट्टी चढ़ाए व 35 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ प्रयोग करें। विशेष जानकारी के लिए चीनी मिल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें। वैज्ञानिक ढंग से खेती करने पर आलू की उपज 80 से 90 कुंतल प्रति एकड़ होगी। गन्ने की उपज 300 से 400 कुंतल प्रति एकड़ होगी। अधिशासी अध्यक्ष आर.के. गुप्ता ने बताया कि चीनी मिल गेट परिक्षेत्र के प्रत्येक गांव में सहफसली खेती का प्रदर्शन चीनी मिल करायेगी। सहफसल का चुनाव किसान अपनी सुविधा अनुसार, अपने खेत के अनुसार स्वयं करेंगे। शरदकालीन गन्ने के साथ तोरिया, गेहूं, आलू, लहसुन, धनिया, गोभी, टमाटर, मटर, मसूर आदि की बुवाई की जा सकती है। गन्ना प्रबंधक संजय सिंह ने बताया की तोरिया का बीज, पोटाश, ट्राइकोडर्मा, बीज गन्ना इस समय दिया जा रहा है। इस गांव में 45 एकड़ गन्ना बोने का लक्ष्य है।

संवाददाता

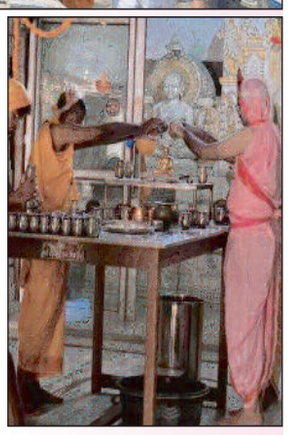

कुशीनगर। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर परूवा के दिन बुधवार को फाजिलनगर में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कस्बे के कालेज रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में दिन भर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर में 108 कलशों द्वारा नहावन, शांति पाठ, और शांति धारा से हुई। जिसे मंदिर के पुजारी अजय कुमार जैन एवं गोरखपुर से पधारे रबि जैन ने विधिपूर्वक सम्पन्न कराया। इसके पश्चात भगवान महावीर स्वामी की भव्य आरती की गई और भगवान आदिनाथ, पुष्पदंत, नेमिनाथ, पारसनाथ एवं महावीर स्वामी की प्रतिमाओं पर पुष्पमाला अर्पित कर पूजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने मंदिर में लड्डू का प्रसाद चढ़ाया और अष्टद्रव्यों से भगवान महावीर स्वामी का पूजन कर निर्वाण कांड का सामूहिक पाठ किया। जैन धर्म की परंपरा अनुसार सभी धार्मिक अनुष्ठान अत्यंत विधिपूर्वक संपन्न किए गए। कार्यक्रम के अंत में नगर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जैन धर्म अनुयायियों ने भाग लिया। यात्रा कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरते हुए पुनः जैन मंदिर परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और संयम को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। धार्मिक अनुष्ठान से पूर्व मंदिर परिसर में ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन मंदिर फाजिलनगर के अध्यक्ष पुखराज जैन, संजय जैन, प्रेमचंद जैन, डॉ. मनोज कुमार जैन, अरविंद जैन, समीर जैन, आंचल जैन, एनी जैन, पीहु जैन, डॉ. मृत्युंजय ओझा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह धर्म शांति, अहिंसा और सत्यनिष्ठा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर स्वामी ने राज वैभव त्याग कर मोक्ष की राह को चुना और सम्पूर्ण मानव जाति को संयम और आत्मबल का पाठ पढ़ाया। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में मानवता, भाईचारा और सहिष्णुता को बल दिया जा सकता है। वक्ताओं ने सभी से आह्वान किया कि वे महावीर के सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात करें। शोभा यात्रा में समीर जैन, अमित जैन, प्रतीक जैन, आदेश जैन, अनुप देवी, रानी जैन, काजल, सृष्टि जैन, सुषमा जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। बैंड-बाजों, धार्मिक धुनों और जयघोषों के साथ नगर में आस्था और भक्ति की छवि देखते ही बन रही थी।

बहजोई के वार्ड नंबर 11 में टूटी सड़क और खुले नाले दे रहे मौत को दावत, मोहल्ले वालों का फूटा गुस्सा

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई नगर पालिका के वार्ड नंबर 11 में टूटी सड़क और खुले नाले ने मोहल्ले वालों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। गुस्साए लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया और नगर पालिका के खिलाफ नारेबाजी की। मोहल्ले वालों का कहना है कि उन्होंने दो बार नगर पालिका में शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि जलकल विभाग ने पाइप डालने के लिए सड़क खोदी, लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी सड़क को ठीक नहीं किया गया। खुले नाले पर जाल न होने से आए दिन हादसे हो रहे हैं। कई बच्चे नाले में गिरकर चोटिल हो चुके हैं, जबकि महिलाओं और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। प्रदर्शन में इश्तियाक अहमद, राजू, सद्दाम, गुलाम, सूबी, अदनान, मुन्नी, मसूदन सहित कई अन्य लोग शामिल रहे। मोहल्ले वालों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे फिर से प्रदर्शन करेंगे। नगर पालिका और जलकल विभाग की लापरवाही के खिलाफ लोगों में गहरा आक्रोश है।

मोहल्ले वालों ने मांग की है कि सड़क को तुरंत ठीक किया जाए और नाले पर जाल डाला जाए ताकि हादसों को रोका जा सके।

पहलवानों के जोर-आजमाइश देख दर्शक झूम उठे

संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील क्षेत्र के गांव रामपुर पट्टी में गोवर्धन पूजा के अवसर पर मंगलवार को बाबा धीर नाथ के स्थान पर लगने वाले मेला में विशाल दंगल का आयोजन किया गया। दंगल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सपा नेता राजेश प्रताप राव उर्फ बंटी राव व भाजपा मण्डल उपाध्यक्ष पवन दुबे डायरेक्टर अजय तिवारी कोटेदार अमित मदेशिया के द्वारा पहलवानो को हाथ मिला कर शुभारंभ किया उन्होंने पहलवानों का उत्साहवर्धन किया। दंगल प्रतियोगिता में दूर-दराज के नामी पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कुश्ती में क्षेत्र के अगल बगल के अलावा बलिया, गाजीपुर, बनारस, अयोध्या, महराजगंज आदि जगहों के दर्जनों पहलवानों ने भाग लिया । जिसमें गाजीपुर के पहलवानों का दबदबा रहा इस दंगल के मुख्य आकर्षण अलिहुसेन देवतहा व राजीव गाजीपुर के बीच हुई जिसमें राजु विजय रहे लक्ष्मण बनारस को संजय पहलवान गाजीपुर को पटखनी दी । लवकुश गाजीपुर राजन बनारस को, पंकज गाजीपुर ने सूरज गोरखपुर को, हरिकेश गाजीपुर ने जयराम कुशीनगर को तथा संजय पहलवान गाजीपुर ने छोटेलाल पहलवान बनारस को पटखनी दी। वहीं छोटू व समीर तथा राकेश व अरविन्द की कुश्ती बराबर की रही। विजेता व उपविजेता पहलवानों को मेला समिति के राजू यादव, देवेन्द्र यादव आदि ने नकद राशि देकर सम्मानित किया ।आयोजन को सफल बनाने में राजू यादव, देवेन्द्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विजेता व उपविजेता पहलवानों को मेला समिति के राजू यादव, देवेन्द्र यादव आदि ने नकद राशि देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव पवन दुबे रामाशीष यादव, शंभु सिंह, कमलेश ओझा, शेषनाथ ओझा, राधेश्याम प्रसाद अजय जायसवाल अमित मदेशिया अजय तिवारी संदीप जयसवाल आदि मौजूद रहे।

पत्नी ने चरखी पकड़ी, डिप्टी सीएम ने पेच लड़ाए

लखनऊ। जमघट पर्व पर सुबह से पतंगबाजी हो रही है। लोग छतों और खाली मैदानों में पतंगबाजी कर रहे हैं। आसमान लाल, पीली, नीली काली पतंगों से रंगीन नजर आ रहा है। पुराने लखनऊ में बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पतंगों के पेच लड़ा रहे हैं। आसमान में ऑपरेशन सिंदूर, विंग कमांडर व्योमिका सिंह, कर्नल सोफिया कुरैशी और मोदी-योगी की तस्वीर लगी पतंगें उड़ रही हैं। कुछ पतंग पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा सहित अन्य राजनेताओं की तस्वीरें हैं तो कुछ पर पॉलिटिकल स्लोगन लिखे हुए हैं। चौक के ज्योतिबा फुले पार्क में काइट फ्लाइंग फेडरेशन ने पतंगबाजी महामुकाबला का आयोजन किया है। पूर्व डिप्टी सीएम और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने पतंग उड़ाकर उद्घाटन किया। उन्होंने 8 पेच काटे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पत्नी नम्रता के साथ प्रतियोगिता में पहुंचे। पत्नी नम्रता ने चरखी चलाई, तो ब्रजेश पाठक ने पतंग उड़ाई। ब्रजेश पाठक ने 5 पेच काटे। लखनऊ में पतंगबाजी का इतिहास 250 साल से ज्यादा पुराना है। नवाब आसिफ-उद-दौला के जमाने से पतंगबाजी परवान चढ़ी, जो लगातार आगे बढ़ रही है। सआदतगंज थाना क्षेत्र में हजरत अब्बास की दरगाह के पास पास जमघट लगा हुआ है। यहां कई युवा अपनी छतों पर पतंगबाजी में मग्न हैं। लखनऊ में युवा जमघट का पूरा लुत्फ उठा रहे हैं। छुट्टी का दिन और हर तरह के काम की बंदी के चलते छतों से पतंगबाजी का दौर जारी है। हुसैनगंज में भी युवाओं ने पतंग उड़ाई। ठाकुरगंज में घंटाघर के पीछे लोग पतंगबाजी कर रहे हैं। हिंदू ही नहीं मुस्लिम भी इसमें शामिल हैं। अली अपने दोस्तों के साथ पतंग उड़ा रहे हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मुस्कुराते हुए कहा, बिहार में अब राजद का पेंच कटने वाला है। वहां एनडीए का ही बोलबाला होगा। उन्होंने कहा कि जनता का रुख साफ है, अब बिहार में एकतरफा मुकाबला एनडीए के पक्ष में दिख रहा है। दिनेश शर्मा ने पतंगबाज वसी हैदर को सम्मानित किया। वसी हैदर पतंग के अच्छे कारीगर भी हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की पत्नी नम्रता पाठक भी पतंगबाजी महा मुकाबले में पहुंचीं।

कुंवारी कन्याओं ने गीत गाकर किया गोबर्द्धन पूजन, की कुटाई

संवाददाता

कुशीनगर। कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन जनपद ' नगर, ग्रामीण इलाकों में हर्षोल्लास के साथ गोबर्द्धन पूजा का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर कुंवारी कन्याओं ने गोबर से बनीभगवान गोबर्द्धन के पुतले का पूजन कर मूसल से गोधन कुटाई की और सुख समृद्धि की मिन्नत की। बुधवार की सुबह कन्याओं ने घर घर जाकर गोबर इकट्ठा किया और गोधन बाबा की आकृति, हाथी, घोड़े आदि बनाए और उन्हें सिंदूर, अक्षत से टिककर पुष्प से सजाया। इसके बाद बहनों ने वनस्पति लेकर भाइयों को श्राप दिया और फिर गोवर्धन का पूजन करते हुए श्राप से मुक्त करते हुए भाइयों के दीघार्यु जीवन की कामना की। सायं पहर कन्याओं ने मूसल लेकर उठहू देव उठहूँ गीत गाते हुए गोधन बाबा की कुटाई की तथा रात में गोबर की पीडिया लगाई और गोबर्द्धन पूजा के महात्य की कथा सुनी। कथा के अनुसार बाल कृष्ण की बात मानकर नंदबाबा और सभी ग्रामीणों ने इंद्र की पूजा रोककर गोवर्धन पूजा की थी। तब क्रोधित देवराज ने ब्रज क्षेत्र को डुबो देने का निश्चय किया। सात दिन की घोर वर्षा हुई। तब श्रीकृष्ण ने लोगों की सुरक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर थाम लिया और ग्वाल और गायों की रक्षा की। घरों में अन्न कूट का त्यौहार मनाया गया और 56 प्रकार के व्यवजन बना कर भगवान को भोग लगाया गया। गोधन कुटाई से एक माह तक कन्याएं रात में पीडिया का गीत गाएंगी और सुबह घर की बड़ी और बुजुर्ग महिलाओं से कथा सुनेगी। सवा माह बीतने पर नदी जलाशयों में गोबर के बने उपले का विसर्जन करेंगी।

भिवानी थाने में अवैध हिरासत का आरोप... हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने एसपी से तलब की रिपोर्ट

चंडीगढ़ : जिला भिवानी के गांव धाना जंगा के निवासी अशोक कुमार ने हरियाणा मानव अधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उसके भाई, जगजीत ने थाना सदर, भिवानी में एक झूठी शिकायत दर्ज कराई। उक्त शिकायत के आधार पर थाना प्रभारी, थाना सदर, भिवानी ने ए.एस.आई. वीरेंद्र सिंह को मामले की जांच सौंपी। आगे आरोप लगाया गया है कि दिनांक 13.06.2025 को ए.एस.आई. वीरेंद्र सिंह ने शिकायतकर्ता को थाना सदर, भिवानी बुलाया और उसे फोन पर धमकाया। शिकायतकर्ता के थाना पहुंचने पर, उसे धमकियों का सामना करना पड़ा और बिना किसी औपचारिक गिरफ्तारी के सुबह से लेकर शाम तक थाने में एक अभियुक्त की तरह बैठाए रखा गया। चिकित्सीय परीक्षण के बाद शिकायतकर्ता को लॉक-अप में रखा गया और उस पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धाराएं 126 एवं 170 (जिसे शिकायत में धारा 107/151 दं.प्र.सं. के रूप में संदर्भित किया गया है) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता रातभर हिरासत में रहा और अगले दिन उसे उपमंडल मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। शिकायतकर्ता ने दोषी पुलिस अधिकारी ए.एस.आई. वीरेंद्र सिंह के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने स्पष्ट किया है कि दं.प्र.सं. की धाराएं 107 और 151 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धाराओं 126 और 170 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। ये प्रावधान समान उद्देश्य और कार्य वाले हैं, जिनका मकसद आसन्न हानि को रोकना और जन सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सर्वोच्च न्यायालय ने ह्नराजेंद्र सिंह पठानिया बनाम राज्य (एनसीटी ऑफ दिल्ली एवं अन्य)ह्व 2011 (13) एस.सी.सी. 329 के मामले में, दं.प्र.सं. की धाराएं 107 और 151 की व्याख्या करते हुए निम्नलिखित कहा है –

ह्व14. धारा 107/151 दं.प्र.सं. का

उद्देश्य दंडात्मक नहीं बल्कि निवारक न्याय है। धारा 151 का उपयोग तभी किया जाना चाहिए जब शांति भंग का आसन्न खतरा हो या धारा 107 के अंतर्गत शांति भंग की संभावना हो। धारा 151 के अंतर्गत गिरफ्तारी तभी उचित है जब गिरफ्तारी किए जाने वाले व्यक्ति के बारे में यह जानकारी हो कि वह कोई संज्ञेय अपराध करने की योजना बना रहा है। यदि धारा 107/151 के अंतर्गत कार्यवाही आवश्यक प्रतीत होती है, तो संबंधित प्राधिकारी के लिए त्वरित कार्रवाई करना अनिवार्य होता है। मजिस्ट्रेट को धारा 107 के तहत अधिकार आपात स्थिति में प्रयोग करने होते हैं। धारा 151 दं.प्र.सं. का सामान्य अवलोकन स्पष्ट करता है कि पुलिस अधिकारी बिना मजिस्ट्रेट के आदेश या वारंट के किन परिस्थितियों में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है। ऐसा तभी किया जा सकता है जब पुलिस अधिकारी को यह जानकारी हो कि संबंधित व्यक्ति कोई संज्ञेय अपराध करने की योजना बना रहा है और यह भी प्रतीत हो कि अपराध को अन्यथा रोका नहीं जा सकता। यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं और फिर भी गिरफ्तारी की जाती है, तो गिरफ्तारी करने वाला अधिकारी संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 में निहित मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए कानून के तहत कार्यवाही का सामना कर सकता है। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने अपने आदेश में लिखा है कि उपरोक्त विधिक स्थिति के आलोक में, यदि धारा 170 बी.एन.एस.एस. (धारा 151 दं.प्र.सं.) के अंतर्गत निर्धारित शर्तें पूरी नहीं की जाती और किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है, तो गिरफ्तारी करने वाला अधिकारी संविधान के अनुच्छेद 21 एवं 22 में निहित मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के लिए कार्यवाही हेतु उत्तरदायी हो सकता है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित बिंदु विचारणीय हैं–

समन का आधारः शिकायतकर्ता को थाना सदर, भिवानी बुलाने का क्या आधार था और क्या विधि के अनुसार धारा 126 एवं 170 बी.एन.एस.एस. (107/151 दं.प्र.सं.) की प्रक्रिया का पालन किया गया।

अवैध निरुद्धता / लम्बे समय तक रोकः किन परिस्थितियों में शिकायतकर्ता को कई घंटों तक थाना परिसर में बैठाए रखा गया और क्या इसके लिए कोई आधिकारिक आदेश या औचित्य मौजूद था।

गिरफ्तारी / निवारक कार्रवाई की आवश्यकताः क्या इस मामले में धारा 126 एवं 170 बी.एन.एस.एस. (107/151 दं.प्र.सं.) के अंतर्गत निवारक या दंडात्मक कार्रवाई आवश्यक थी और क्या इसके लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया गया।

जांच अधिकारी की भूमिका और आचरणः ए.एस.आई. वीरेंद्र सिंह के आचरण का विस्तृत विवरण, जिसमें धमकियों, निरुद्धता तथा प्रक्रिया में संभावित त्रुटियों का उल्लेख हो।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के प्रोटोकॉल, सूचना व जनसंपर्क अधिकारी डॉक्टर पुनीत अरोड़ा ने बताया कि न्यायमूर्ति ललित बत्रा ने भिवानी के पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया गया है कि उपरोक्त बिंदुओं पर एक विस्तृत रिपोर्ट आयोग के जांच निदेशक के माध्यम से, अगली सुनवाई की तिथि 17.12.2025 से पूर्व प्रस्तुत करे।

दो महीने से 28 हजार मिड डे मील कुकों को मानदेय नहीं, गैस और राशन भी उधार पर लेकर चल रही स्कूलों की रसोई

चंडीगढ़: प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नौनिहालों को मिड डे मील (एमडीएम) खिलाने वाले तकरीबन 28,400 कुक आर्थिक तंगहाली से गुजर रहे हैं। इतना ही नहीं स्कूलों की रसोई में पक रहा राशन भी उधार पर आ रहा है। राज्य सरकार की ओर से दो माह अगस्त व सितंबर और केंद्र सरकार की ओर से पांच माह का मानदेय जारी नहीं हुआ है। प्रदेश के 14,200 सरकारी स्कूलों में तकरीबन 28,400 कुक मिड डे मौल में तैनात हैं। प्रति कुक 7,000 रुपये मासिक मानदेय दिया जाता है

जिसमें एक हजार रुपये केंद्र और छह हजार रुपये राज्य सरकार की ओर से जारी होते हैं। बजट जारी न होने से राशन और गैस सिलेंडर का इंतजाम भी उधार पर करना पड़ रहा है।मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा के प्रधान जय भगवान ने कहा कि 2004 से अब तक एमडीएम स्कीम की दोनों मदों मानदेय और कुकिंग कॉस्ट की राशि कभी भी समय पर नहीं मिली है। इसमें कई बार तो 3 से 6 महीने तक की देरी हो जाती है। ऐसे में बाजार से उधार सामान लेना पड़ता है जिससे दुकानदार अपनी मनमर्जी के रेट वसूलते हैं। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने इस मुद्दे पर अब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी शुरू कर दी है। रोहतक में राज्यस्तरीय बैठक में राज्य प्रधान प्रभु सिंह की अध्यक्षता और महासचिव रामपाल के संचालन में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि अगर तुरंत भुगतान नहीं किया गया तो जल्द ही राज्यव्यापी विरोध अभियान शुरू किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल, रक्षा मंत्री ने दी उपाधि

हरियाणा : ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अब भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बन गए हैं। उन्हें यह मानद उपाधि बुधवार को एक औपचारिक समारोह के दौरान दी गई, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान नीरज चोपड़ा सेना की वर्दी में नजर आए और उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल की रैंक प्रदान की गई। इससे पहले नीरज सेना में सूबेदार मेजर के पद पर कार्यरत थे। नीरज चोपड़ा ने 26 अगस्त 2016 को भारतीय सेना में नायब सूबेदार के रूप में करियर की शुरूआत की थी। वर्ष 2021 में उन्हें सूबेदार और फिर 2022 में सूबेदार मेजर के पद पर प्रमोशन मिला। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, सेना ने उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (PVSM) से भी सम्मानित किया। उन्हें उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अर्जुन अवॉर्ड और राजीव गांधी खेल रत्न (अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न) भी मिल चुका है।हरियाणा के पानीपत जिले के खंडरा गांव निवासी 27 वर्षीय नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक और हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता। वह भारत के पहले एथलीट हैं जिन्होंने ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। नीरज चोपड़ा से पहले महेंद्र सिंह धोनी को भी वर्ष 2011 में प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई थी।

छठ पूजा पर बिहार जाने वालों के लिए खुशखबरी, हरियाणा के इन जगहों से चलेंगी एसी बसें

हरियाणा : छठ पूजा के पावन पर्व पर हरियाणा से बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। हरियाणा सरकार ने विशेष वातानुकूलित बस सेवा शुरू करने का फैसला लिया है। इसका ऐलान स्वयं प्रदेश के परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने किया। मंत्री विज ने बताया कि बिहार सरकार की ओर से छठ पूजा के अवसर पर हरियाणा से विशेष बस सेवा शुरू करने का अनुरोध किया गया था, जिसे हरियाणा सरकार ने स्वीकार कर लिया है। यह सेवा त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और समयबद्ध यात्रा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। अगले तीन महीनों तक चलेगी सेवा परिवहन मंत्री के अनुसार, यह विशेष एसी बस सेवा

अगले तीन महीनों तक संचालित की जाएगी। इससे त्योहारों के मौसम में अपने घर जाने वाले हजारों प्रवासी यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, खासकर तब जब रेल टिकटों की कंफर्मेशन एक बड़ी चुनौती बन जाती है। हरियाणा-बिहार सरकारों के बीच हुआ समझौतायह सेवा हरियाणा और बिहार सरकारों के बीच हुए एक विशेष समझौते के तहत शुरू की गई है। समझौते के अनुसार, हर साल त्योहारों के दौरान तीन महीने तक यह बस सेवा चलाई जाएगी। इस व्यवस्था को अगले पांच वर्षों तक जारी रखने की योजना भी बनाई गई है।

सुविधाएं और किफायती किराया मंत्री विज ने बताया कि इन एसी बसों में आरामदायक सीटिंग, जीपीएस ट्रैकिंग और जरूरी सुरक्षा इंतजाम उपलब्ध होंगे। किराया भी किफायती रखा गया है, जिससे सामान्य वर्ग के यात्री भी आसानी से यात्रा कर सकें। इसके अलावा, त्योहारों के दौरान कुछ निजी ऑपरेटर यात्रियों को किराए में छूट भी देंगे। बसों के रूट और गंतव्य अंबाला से चलने वाली ये बसें बिहार के कई प्रमुख शहरों तक जाएंगी। अंबाला से पटना जाने वाली बसें – करनाल, शामली, मेरठ, हापुड़, अलीगढ़, एटा, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर, कुशीनगर, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर होते हुए पटना पहुंचेंगी। अंबाला से पूर्णिया और मधुबनी जाने वाली बसें – करनाल, मेरठ, बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, लखनऊ, अयोध्या, बस्ती, गोरखपुर, कुशीनगर, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा और सहरसा होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगी।

घर से घूमने निकले थे दो युवक, तभी हुआ कुछ ऐसा की मिल गई मौत...पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आए

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ में ट्रेन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत का मामला सामने आया है। हादसा दिल्ली रोहतक रेलवे लाइन पर बहादुरगढ़ के छोटू रामनगर के पास हुआ है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक देर शाम टहलने के लिए रेलवे लाइन पर निकले थे। इस दौरान पीछे से आ रही एक ट्रेन की चपेट में दोनों आ गए। जिनमें से एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, तो वहीं दूसरे की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के रामपुर फरुखाबाद के रहने वाले राजाराम और हरदोई के रहने वाले सन्नी के रूप में हुई है। दोनों युवक बहादुरगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया के सेक्टर 17 में स्थित 209 नंबर प्लांट में बनी फैक्ट्री में काम करते थे। दोनों के परिजनों को पुलिस ने सूचना दे दी है। दोनों युवकों के शवों का आज बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने घटना को हादसा मानते हुए कार्रवाई की है।

छोरा चाहे सीएम हो,मगर मां का आंचल तो मां की ही होता है, नायब सिंह सैनी ने लिया मां का आशीर्वाद

चंडीगढ : छोरा चाहे सी एम हो या कुछ भी बन जाए, मां की ममता तो मां की होती है।खुशी से भावुक क्षणों में अपने गांव मिजार्पुर पहुंचे सी एम नायब सैनी व उनके परिवार को मिल यही दृश्य उनकी मां कुलवंत कौर की आंखों में नजर आ रहा था। उन्होंने सभी को दीपावली, भगवान विश्वकर्मा दिवस तथा भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।गांव पहुंचने पर छोटे-छोटे नन्हे बच्चों ने मुख्यमंत्री के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को प्यार व आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपनी माता श्रीमती कुलवंत कौर एवं ताऊ श्री तेजा राम सैनी के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी (उपाध्यक्ष हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद), पुत्र अनिकेत सैनी, पुत्री वंशिका सैनी, भाई चन्दन सैनी, भतीजे हनीश सैनी, रसम सैनी एवं अन्य परिजनों के साथ घर पर पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।बता दे कि इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का हेलीकॉप्टर राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में बने हेलीपैड पर उतरा। सर पर हाथ जो फेरे तो" हिम्मत मिल जाए" मां एक बार मुस्कुरा दे तो जन्नत मिल जाए"। "मैंने चलती फिरती आँखों

से अजा देखी है" मैंने जन्नत तो नही देखी पर मां देखी है। जैसे शेरों के अलावा पंजाब के मशहूर गायक कलियों के बादशाह कुलदीप मानक द्वारा गया गीत "मां हूंदी ए मां ओ दुनिया वालयो" मा ए ठंडडी छां ओ दुनिया वालयो। मां के लिए जितना भी लिखा और कहा जाए कम है। मां की ममता सागर के समान है जिसका कोई और छोर व गहराई का पता नही लगाया जा सकता है। चाहे जितने भी संत, महापुरुष, पीर पैगंबर ओलिए ,भगवान के अवतार सब मां के आगे नतमस्तक हैं। मां का दर्जा सबसे ऊंचा है। व्यक्ति चाहे कितने भी बड़े मुकाम पर पहुंच जाए और दुनिया का हर सांसारिक सुख उसके कदमों में हो लेकिन उसे जो सुकून मां के आंचल में मिलता है वह कहीं नहीं मिलता। कुछ ऐसा ही दिल छू लेने वाला दृश्य दीपावली पर्व पर देखने को मिला। जब मुख्यमंत्री नायब सैनी अपने पैतृक गांव मिजार्पुर में परिवार संग दीपावली मनाने पहुंचे। गांव में जैसे ही घर की दहलीज पर कदम रखा सबसे पहले मां को गले लगाया। इसके बाद परिवार सहित दीपावली की पूजा अर्चना की इस दौरान मुख्यमंत्री की माता कुलवंत कौर द्वारा उनकी कलाई पर आशीर्वाद रूपी धागा भी बांधा गया। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। जिसमें देखा जा सकता है कि मुख्यमंत्री जो कि पहले भी सादगी पसंद है ।लेकिन मां के आंचल में आकर बिल्कुल एक बच्चों की तरह उनसे प्यार और दुलार लेते नजर आ रहे हैं।

यही नहीं मुख्यमंत्री ने गांव वासियों सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी समय बिताया और बच्चों के साथ मस्ती की। वहीं दूसरी ओर मां के लिए भी यह पल दुनिया के सबसे खूबसूरत लम्हों में से एक है। माता पिता ही एक ऐसा रिश्ता है जो हमेशा अपने औलाद को फलते-फूलते और आगे बढ़ते रहने की कामना करता है। जब बेटा मुख्यमंत्री के पद पर आसीन हो तो खुशियों की कोई सीमा ही नहीं रहती।

हरियाणा में नए जिलों के गठन की तैयारी, इस तारीख तक लेना होगा फैसला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार प्रदेश में प्रशासनिक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने के लिए बड़े फैसले की तैयारी में है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार को 11 नए जिलों, 14 नए उपमंडलों, 4 नई तहसीलों और 27 उप-तहसीलों के गठन से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह सभी प्रस्ताव प्रशासनिक पुनर्गठन उप-समिति की 5वीं बैठक में प्रस्तुत किए गए।

इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने की, जिसमें शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा बतौर सदस्य शामिल हुए। बैठक में राजस्व विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा और विशेष सचिव कमलेश कुमार भादू भी उपस्थित रहे।

प्रस्तावित नए जिलेः

असंध (जिला करनाल)
नारायणगढ़ (जिला अंबाला)
मानेसर (जिला गुरुग्राम)
पटौदी (जिला गुरुग्राम)
पिहोवा (जिला कैथल)
हांसी (जिला हिसार)
बरवाला (जिला हिसार)
सफीदों (जिला जींद)
गोहाना (जिला सोनीपत)
डबवाली (जिला सिरसा)

गौरतलब है कि डबवाली और हांसी

को पहले ही पुलिस जिला घोषित किया जा चुका है।प्रस्ताव की संवेदनशील समय-सीमा राज्य सरकार को इन प्रस्तावों पर निर्णय 31 दिसंबर 2025 से पहले लेना होगा। भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनगणना से पूर्व किसी भी प्रशासनिक सीमा में बदलाव की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 है। यदि इस समय-सीमा में निर्णय नहीं लिया गया, तो फिर अगला अवसर जून 2027 के बाद ही मिल सकेगा, जब अगली जनगणना प्रक्रिया पूरी होगी। नए जिले बनाने के मानदंडः

गांवों की संख्याः 125 से 200
जनसंख्याः 4 लाख से अधिक
क्षेत्रफलः 80,000 हेक्टेयर से अधिक इन्हीं मानकों के आधार पर उपमंडल, तहसील और उप-तहसील के गठन के लिए भी मापदंड तय किए गए हैं। अन्य प्रस्तावों पर भी विचार मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने जानकारी दी कि समिति को अब तक कुल 73 प्रशासनिक पुनर्गठन से जुड़े प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से कुछ प्रस्तावों को लेकर सुझाव भी दिए गए हैं, जैसेः गांव खुंगा (उपमंडल उचाना) को उपमंडल जींद में शामिल करने की सिफारिश गांव खानपुर रोरण (तहसील पिहोवा) में शामिल करने का प्रस्ताव पंवार ने यह भी कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और जनप्रतिनिधियों की मांगों के अनुरूप प्रशासनिक ढांचे को नए सिरे से गठित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अगला कदमः मुख्यमंत्री की मंजूरी बैठक में लिए गए सभी प्रस्ताव अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अनुमोदन के लिए भेजे जाएंगे। यदि मुख्यमंत्री से मंजूरी मिलती है, तो हरियाणा में जल्द ही बड़े प्रशासनिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

रोहतक रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला, फरिश्ता बन व्यक्ति ने बचाई दो जिंदगियां

रोहतक : आज सुबह करीब 8 बजे रोहतक रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर एक की है, जहां एक ट्रेन दिल्ली की ओर जा रही थी। उसी दौरान एक महिला अपने छोटे बेटे के साथ चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रही थी। ट्रेन की रफ्तार अचानक तेज हो जाने के कारण महिला और उसका बेटा संतुलन खो बैठे और प्लेटफॉर्म व ट्रेन के बीच की जगह में गिरने ही वाले थे। तभी प्लेटफॉर्म पर खड़े एक सजग व्यक्ति ने तुरंत प्रतिक्रिया दिखाई और दोनों को पकड़कर सुरक्षित प्लेटफॉर्म पर खींच लिया। उसकी सतर्कता से दोनों की जान बच गई। इस घटना के दौरान प्लेटफॉर्म पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और चीख-पुकार मच गई। यात्रियों की आवाज सुनकर ट्रेन को रोका गया और बाद में महिला और उसके बेटे को सुरक्षित ट्रेन में बैठाया गया। यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

हरियाणा के इस जिले में बांटा गया हजारों लीटर मुफ्त दूध

अंबाला : अंबाला में आज गोवर्धन पूजा के दिन छावनी की गवाल मंडी में लोगों को हजारों लीटर दूध मुफ्त में बांटा गया इस दौरान सबसे पहले भगवान गोवर्धन की पूजा की गई और फिर लोगों को दूध दिया गया हालांकि ये प्रथा पिछले कई सालों से चलती आ रही है और आगे भी चलती रहेगी। अंबाला में आज गोवर्धन का त्यौहार धूम धाम से मनाया गया हर साल दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है कहा जाता है कि भगवान कृष्ण को एक राक्षस सूअर के रूप में मारने आया था इस दौरान गाय माता ने उनकी रक्षा की थी तभी से गोवर्धन पूजा की जाती है और तभी से पूरा ग्वाला समाज हर साल हजारो लीटर दूध मुफ्त में लोगों को दिया जाता है। इस बारे में जानकारी देते हुए अंबाला गवाल मंडी से ग्वाले कारण यादव ने कहा कि आज के दिन सबसे पहले सुबह भगवान गोवर्धन की पूजा की गई हैं इसके बाद दिवाली की शाम और आज सुबह का दूध लोगो को मुफ्त में बांटा जाता है ये प्रथा काफी पुराने समय से चलती आ रही हुआ और आगे भी चलती रहती है।

हरियाणा के इस जिले में बनेगी फिल्म सिटी, जानिए इसमें क्या-क्या होगा खास

हरियाणा : हरियाणा के पंचकूला जिले में जल्द ही एक भव्य फिल्म सिटी बनने जा रही है। इसके लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (HSVP) द्वारा डिमार्केशन का काम शुरू कर दिया गया है। आपको बता दें कि राज्य सरकार ने पिंजौर में फिल्म सिटी बनाने की घोषणा की थी, जिस पर अब तेजी से काम हो रहा है। कहां बनेगी फिल्म सिटी? यह फिल्म सिटी पिंजौर सेक्टर-29 में 100 एकड़ क्षेत्र में बनाई जाएगी। HSVP की ओर से डिमार्केशन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और प्रोजेक्ट का नक्शा भी तैयार कर लिया गया है। फिलहाल CLU (Change of Land Use) की प्रक्रिया चल रही है। सरकार की मंजूरी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दो चरणों में होगा निर्माण इस फिल्म सिटी का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आठ वर्ष पूर्व इस फिल्म सिटी की घोषणा की थी। HSVP ने 5 करोड़ रुपये की लागत से एक कंसल्टेंट एजेंसी को नियुक्त किया था, जिसने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। उसी रिपोर्ट के आधार पर अब जमीन का सीमांकन शुरू किया गया है। HSVP के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर एन. के. पायल के अनुसार, यह फिल्म सिटी हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी की तर्ज पर विकसित की जाएगी। इसके संचालन, रखरखाव और आय के स्रोतों की योजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। जैसे ही प्रोजेक्ट का काम अलॉट होगा, विभाग को रेवेन्यू मिलना शुरू हो जाएगा। अनुमान है कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद सालाना करीब 5 करोड़ रुपये का रेवेन्यू प्राप्त होगा। इस आधुनिक फिल्म सिटी में फिल्म निर्माण से जुड़ी हर छोटी-बड़ी आवश्यकता का ध्यान रखा गया है। प्रस्तावित सुविधाओं में शामिल हैं:- इनडोर और आउटडोर स्टूडियो रेलवे स्टेशन का सेटअप मंदिर और अस्पताल के सेट सेंट्रल प्लाजा गांव का सेट प्राइवेट बोट सेट रिकॉर्डिंग थिएटर फोटोग्राफी स्टूडियो सुंदर पार्क रेजिडेंशियल अपार्टमेंट फाइव स्टार होटल अत्याधुनिक ऑडिटोरियम

25 हजार का इनामी लॉरेंस का गुर्गा राजस्थान से काबू, 11 देसी व एक इटली की पिस्टल बरामद

नारनौलः राजस्थान पुलिस ने 19 अक्तूबर की रात को कोटपूतली-बहरोड़ जिले से हरियाणा के 25 हजार के इनामी बदमाश संजय जाट को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव कालबा का रहने वाला और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सक्रिय सदस्य है। पुलिस को आरोपी से 12 देसी और विदेशी हथियार मिले हैं। पुलिस पता लगा रही है कि वह इन हथियारों को कहां से और किस वारदात के लिए लाया था या ले जा रहा था। कोटपूतली के एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि गुप्त सूचना पर घेराबंदी कर बिंजाहेड़ा मोड़ से बदमाश को गिरफ्तार किया गया। संजय की बोलेरो कैंपर से 12 हथियार और गोली-बारूद बरामद हुआ। इनमें एक इटली में बनी बरेटा पिस्टल व 11 देसी पिस्टल हैं, इसके 6 कारतूस और दो मैगजीन के अलावा देसी कट्टे के 5 और पिस्टल के 9 कारतूस शामिल हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

हरियाणा में दीपावली पर 18 जिलों में 125 जगह लगी आग, 299 से ज्यादा लोग झुलसे

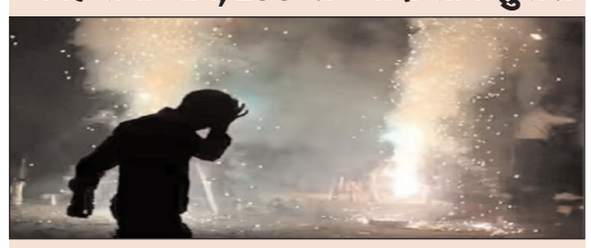

हरियाणाः प्रदेश में सोमवार को दिवाली का पर्व श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। 18 जिलों में 125 जगह आग लगी। सबसे ज्यादा गुरुग्राम में 29 जगह आग लगी। इसके बाद झज्जर में भी 28 जगह आग लगने की सूचना आई। इसके अलावा फरीदाबाद में भी 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। आगजनी और लड़ाई-झगड़ों में 299 लोग घायल हुए। सबसे ज्यादा घायल रोहतक पीजीआई में आए। वहीं, करीब 10 से ज्यादा लड़ाई-झगड़ों में केस दर्ज हुए। इसके अलावा विभिन्न जिलों में 35 क्विंटल से ज्यादा पटाखों जब्त किए गए। अवैध पटाखे के 6 मामले दर्ज हुए हैं। फरीदाबाद में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार भी किया। सिरसा-दादरी-पलवल में आग लगने की सूचना नहीं आई। सलांकि, बाद डॉक्टरों ने घर भेज दिया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार पुलिस ने पटाखों की अवैध बिक्री पर रोक लगाई थी। साथ ही पटाखे जलाने के लिए भी समय निर्धारित किया गया था।

साने ताकाइची ने रचा इतिहास, बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

टोक्यो, एजेंसी। जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। इसके साथ ही साने ने जापान में एक नया इतिहास लिख दिया। 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' की प्रमुख 64 वर्षीय ताकाइची प्रधानमंत्री के रूप में शिगेरु इशिबा की जगह लेंगी, जिन्हें दो बार चुनावी हार के बाद मजबूरन इस्तीफा देना पड़ा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार जापान की संसद के निचले सदन में साने ताकाइची को 237 वोट मिले हैं, जो 465 सीटों वाले सदन में बहुमत से अधिक है। वह आज शाम जापान के 104वें प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेंगी।

जापान की आयरन लेडी

जापान की संसद सदस्य तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाली ताकाइची आर्थिक सुरक्षा मंत्री समेत कई अहम जिम्मेदारियां निभा चुकी हैं। कट्टर रूढ़िवादी छवि की वजह से आलोचक उन्हें लेडी डोनाल्ड ट्रंप कहने लगे हैं, तो पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कथित तौर पर उन्हें 'तालिबान ताकाइची' तक कह दिया था। वह मार्गरेट थैचर की तरह जापान की आयरन लेडी के नाम से मशहूर हैं।

एक मजबूत सेना की समर्थक हैं ताकाइची

साने ताकाइची की छवि एक अति-रूढ़िवादी नेता की है। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के रूढ़िवादी दृष्टिकोण की समर्थक माना जाता है। लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी एक पुरुष प्रधान पार्टी है और ताकाइची इस पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। ताकाइची साल 1993 में पहली बार अपने गृहनगर नारा से सांसद चुनी गई थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित कई अहम सरकारी पदों पर काम किया है। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आव्रजन पर सख्त नीति की समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं और 19वीं सदी के नागरिक कानून में संशोधन का विरोध करती हैं।

एंकर से देश की पीएम बनने तक का सफर

साने ताकाइची का जन्म सात मार्च 1961 को जापान के नारा राज्य में हुआ था। उनके पिता टोयोटा कंपनी में कर्मचारी थे, तो मां पुलिस में। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद ताकाइची निजी विश्वविद्यालय से पढ़ाई करना चाहती थीं, लेकिन छोटे भाई की पढ़ाई में कोई व्यवधान न आए, इसलिए उन्होंने कोबे विश्वविद्यालय से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने टीवी एंकरिंग समेत अन्य काम किए। 1984 में ताकाइची ने मात्सुशिता इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नमेंट एंड मैनेजमेंट में प्रवेश लिया। तीन साल बाद, उन्हें एक कार्यक्रम के तहत वाशिंगटन डीसी भेजा गया। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के अमेरिकी प्रतिनिधि पैट श्रोएडर के लिए कांग्रेसनल फेलो के रूप में काम किया। 1989 में उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में अपने अनुभव पर एक किताब भी लिखी।

शिंजो आबे से सीखी राजनीति

अमेरिका से लौटने के बाद ताकाइची ने राजनीति में सक्रियता बढ़ा दी। उन्होंने 1992 में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव?लड़ा, लेकिन हार गईं। इसके एक साल बाद ही और अच्छी तैयारी के साथ फिर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में संसदीय चुनाव मैदान में उतरीं और जीत दर्ज की। 1996 में वह दक्षिणपंथी एलडीपी से जुड़ गईं और अब तक संसद सदस्य हैं। 2000 के दशक में ताकाइची शिंजो आबे की सहयोगी बन गईं, जो लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने आबे के मार्गदर्शन में राजनीति के दांव-पेच सीखे। 2021 और 2024 में एलडीपी की शीर्ष नेता का चुनाव हार गईं, लेकिन इस बार शिगेरू इशिबा के इस्तीफे के बाद पार्टी अध्यक्ष के चुनाव में उन्होंने कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी को हराया। वह सिर्फ एक बार चुनाव हारी हैं और दस बार संसद सदस्य चुनी गई हैं।

एलडीपी की पहली महिला अध्यक्ष

64 वर्षीय साने ताकाइची एलडीपी की पहली महिला अध्यक्ष बनने के साथ ही देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने वाली हैं। वह नारा प्रांत की पहली ऐसी व्यक्ति होंगी, जो प्रधानमंत्री बनेंगी। इसके साथ ही द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाली भी वह ऐसी पहली व्यक्ति बन जाएंगी, जिसका किसी राजनीतिक खानदान से ताल्लुक न हो। वह चीन के सैन्य और आर्थिक प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों की एक प्रमुख आलोचक रही हैं और उन्होंने जापान से अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है। उन्होंने प्रवासियों से भी अपने देश 'जापान लौटने' का आह्वान किया है।

ड्रम वादक और कार चालक

ताकाइची को कॉलेज के समय से ही ड्रम बजाने का शौक है। वह इतनी तेजी से ड्रम बजाती थीं कि स्टिक ही टूट जाती, इसलिए वह अपने पास अतिरिक्त स्टिक रखती थीं। वह मोटरसाइकिल और कार चलाने की भी शौकीन हैं, तो स्कूबा डाइविंग में उन्हें महारत हासिल है। वह जब पहली बार संसद का चुनाव जीतीं, तो उन्होंने टोयोटा कंपनी की कार खरीदी, जिसे उन्होंने लंबे समय तक चलाया, अब वह उनके छोटे म्यूजियम का हिस्सा है। वह गाना गाने और जापानी रॉक सुनने की शौकीन हैं और बेसबाल टीम हनशिन टाइगर्स और घुड़दौड़ की प्रशंसक हैं।

कट्टर, फिर भी प्रगतिशील

ताकाइची महिला सशक्तीकरण की हिमायती हैं, लेकिन कुछ मामलों में वह कट्टर परंपरावादी हैं। उनका मानना है कि जापान के शाही परिवार का उत्तराधिकारी पुरुष ही होना चाहिए, तो वह समलैंगिक विवाह के खिलाफ हैं। वह शादी के बाद फूफू बेसेई या विवाहित जोड़ों के लिए अलग उपनाम के विचार का विरोध करती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह परंपरा के विरुद्ध है। वह जापानी मूल्यों के संरक्षण पर जोर देती हैं।

व्हाइट हाउस में चलेगा बुलडोजर ! ईस्ट विंग की जगह बनेगा नया भव्य बॉलरूम

ट्रंप ने किया निर्माण कार्य का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय व्हाइट हाउस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग को तोड़कर वहां एक नया, भव्य प्रेसिडेंशियल बॉलरूम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह निजी रूप से फंडेड है और इससे अमेरिकी करदाताओं पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। ट्रंप ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर के दी। उन्होंने बताया कि यह बॉलरूम राजकीय यात्राओं, बड़े आयोजनों और आधिकारिक कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए काम आएगा। ट्रंप ने कहा कि 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति यह सपना देखता रहा है कि व्हाइट हाउस में एक बॉलरूम हो। मुझे गर्व है कि मैं इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को शुरू करने वाला पहला राष्ट्रपति बना। बता दें कि इस नए बॉलरूम का आकार लगभग 90,000 वर्गफुट होगा और इसकी अनुमानित लागत 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह ट्रंप की लंबे समय से चली आ रही इच्छा का हिस्सा है कि व्हाइट हाउस में आधुनिक और आलीशान इवेंट स्पेस बनाया जाए, जो उनके निजी क्लबों की तरह भव्य दिखे। व्हाइट हाउस द्वारा जारी तस्वीरों में इस बॉलरूम को क्रिस्टल और गोल्ड झूमरों, सोने से सजे कॉलम, सुंदर नक्काशीदार छत और चेकर्ड मार्बल फ्लोर से सजाया गया दिखाया गया है। इसका डिजाइन व्हाइट हाउस की शास्त्रीय वास्तुकला के अनुरूप होगा और यह एक साथ 650 मेहमानों को बैठाने की क्षमता रखेगा, जो वर्तमान में सबसे बड़े ईस्ट रूम की क्षमता से तीन गुना ज़्यादा है। इस बॉलरूम में दक्षिण लॉन की ओर खुलने वाली तीन दीवारों पर मेहराबदार खिड़कियां भी होंगी, जिससे भव्यता के साथ प्राकृतिक दृश्य भी मिलेंगे। ट्रंप इससे पहले भी व्हाइट हाउस परिसर में कई बदलाव कर चुके हैं, जिनमें बड़े फ्लैगपोल लगवाना, रोज गार्डन का नया डिज़ाइन और ओवल ऑफिस में गोल्डन सजावट शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिसाइलें नहीं मिलीं पर उम्मीद बाकी, ट्रंप से मुलाकात के बाद जेलेंस्की बोले- बातचीत सकारात्मक रही

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात सकारात्मक रही, भले ही उन्हें उम्मीद के मुताबिक टॉमहॉक मिसाइलें नहीं मिल सकीं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अब भी यूक्रेन के साथ आर्थिक साझेदारी को लेकर दिलचस्पी रखता है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत के कुछ घंटे बाद ही दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। जेलेंस्की ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि ट्रंप ने रूस के साथ तनाव बढ़ाने से फिलहाल इनकार किया है। उन्होंने कहा, मेरे विचार में ट्रंप नहीं चाहते कि पुतिन से मुलाकात से पहले कोई बड़ा सैन्य तनाव बढ़े। यूक्रेन टॉमहॉक मिसाइलों की खरीद के लिए प्रयासरत था, जिससे उसकी रक्षा क्षमता में बड़ा सुधार होता, पर यह अनुरोध ट्रंप द्वारा खारिज कर दिया गया। इस निर्णय से यूक्रेन को निराशा हुई, लेकिन जेलेंस्की ने अपनी प्रतिक्रिया में कूटनीतिक संयम बनाए रखा।

अमेरिकी सहायता और पैट्रियट सिस्टम की मांग : यूक्रेन सरकार 25 पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम अमेरिकी कंपनियों से खरीदना चाहती है। इसके लिए वह जमे हुए रूसी फंड और सहयोगी देशों की मदद से संसाधन जुटाने की योजना बना रही है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने ट्रंप से उत्पादन प्रक्रिया को तेज कराने और यूरोपीय सहयोगियों के माध्यम से इसे जल्द उपलब्ध कराने में मदद मांगी। हालांकि, उन्होंने माना कि इन सभी प्रणालियों की डिलीवरी में समय लगेगा।

पुतिन के रुख और वार्ता का अगला चरण : बैठक में ट्रंप ने दोहराया कि रूस की मांग अब भी वही है। यूक्रेन को अपने पूरे डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्रों को छोड़ना होगा। इसके बावजूद जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप का रवैया कुल मिलाकर सकारात्मक था क्योंकि उन्होंने वर्तमान मोर्चा-रेखा पर युद्धविराम की संभावना को समर्थन दिया। ट्रंप आगामी हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले हैं। उनका मानना है कि यह बैठक यूक्रेन युद्ध के समाधान की दिशा में एक कदम साबित हो सकती है।

बुडापेस्ट मीटिंग और ऑर्बन पर कटाक्ष : जेलेंस्की ने बुडापेस्ट को संभावित वार्ता स्थल मानने से असहमति जताई। उन्होंने कहा कि मैं नहीं मानता कि वह प्रधानमंत्री जो हर मोर्चे पर यूक्रेन का विरोध करता है, हमारे लिए कोई संतुलित योगदान दे सकता है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अगर वार्ता निष्पक्ष होगी तो वह उसमें भाग लेने पर विचार करेंगे। उन्होंने पुतिन के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाए, जिसमें रूस ने खेरसॉन और जापोरिझिया के कुछ हिस्से छोड़ने की पेशकश की थी, बशर्ते यूक्रेन डोनेट्स्क और लुहान्स्क से पीछे हट जाए। जेलेंस्की ने आगे कहा कि हमें अब तक रूस की मंशा साफ नहीं दिखी, लेकिन सभी पक्ष अब थोड़ा करीब जरूर आए हैं।

अमेरिका की आर्थिक दिलचस्पी और गैस प्रोजेक्ट : जेलेंस्की ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिका यूक्रेन में गैस और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश को लेकर दिलचस्पी रखता है। दोनों देशों के बीच ओडेसा में एलएनजी टर्मिनल निर्माण सहित कई ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर बातचीत हुई है। इसके अलावा परमाणु ऊर्जा और तेल क्षेत्र में भी साझेदारी की संभावनाएं तलाशने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप मध्य पूर्व में काफी कुछ हासिल कर चुके हैं, और अब वह उसी रफ्तार से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करना चाहते हैं।

हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच कर्मियों को मुक्त किया

सना, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच संयुक्त राष्ट्र (यूएन) कर्मचारियों को रिहा कर दिया। विद्रोहियों ने 15 अंतरराष्ट्रीय कर्मियों को सना स्थित यूएन परिसर में स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति दी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि हूती सुरक्षा बल परिसर से हट गए हैं। बता दें कि हूती लंबे समय से यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को निशाना बनाते रहे हैं। उन पर जासूसी के आरोप भी लगे हैं जिन्हें यूएन ने खारिज किया है। कर्मियों को मुक्त करने के अलावा हूती विद्रोहियों ने अपने सैन्य प्रमुख मेजर जनरल मोहम्मद अब्दुल करीम अल-गमारी का अंतिम संस्कार भी किया।गमारी हाल ही में इस्राइली सेना के हवाई हमले में मारे गए थे। हजारों लोग सना की सड़कों पर दिखे और इस्राइल के खिलाफ नारे भी लगाए। हूती समर्थित मीडिया के अनुसार, अल-गमारी के अलावा उनके 13 वर्षीय बेटे और कई सहयोगी भी मारे गए। बता दें कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने अल-गमारी पर कई प्रतिबंध लगाए थे। गमारी पर यमन और सऊदी अरब पर हमलों के संचालन का आरोप भी लगा था। बता दें कि इस्राइल और अमेरिका हूती हमलों के जवाब में संयुक्त सैन्य अभियान चला रहे हैं। अमेरिका में पाकिस्तान के एक हथियार तस्कर को पांच आरोपों में दोषी ठहराए जाने बाद 40 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। उस पर ईरान से यमन में हूती विद्रोहियों तक बैलिस्टिक मिसाइल के पुर्जे पहुंचाने का आरोप था। जियो न्यूज के अनुसार, दोषी मोहम्मद पहलवान (49) को अमेरिकी सैन्य बलों ने पिछले साल जनवरी में अरब सागर से उस वक्त पड़ा, जब वह मछली पकड़ने वाली नाव के जरिये इन कलपुर्जों को ले जा रहा था।

पत्रकार ने पूछा- ट्रम्प और पुतिन की बैठक की जगह किसने चुनी, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता बोलीं- तुम्हारी मां ने

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने सोमवार को हफिंगटन पोस्ट के पत्रकार एसवी डीटे पर नाराजगी जताई। लीविट ने उन्हें लेफ्ट-विंग हैक कहा। दरअसल एसवी डीटे ने लीविट को मैसेज कर ट्रम्प और पुतिन की संभावित बैठक से जुड़ा सवाल किया। उन्होंने पूछा कि इस बैठक के लिए जगह किसने चुनी। इस पर लीविट ने जवाब देते हुए कहा कि, तुम्हारी मां ने चुनी।

पत्रकार एसवी डीटे ट्रम्प की आलोचनात्मक कवरेज के लिए जाने जाते हैं। लीविट ने बाद में अपना यह जवाब ङ्क पर शेयरकरते हुए लिखा कि एसवी डीटे तथ्य में रुचि रखने वाले पत्रकार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह वर्षों से ट्रम्प पर लगातार हमला कर रहे हैं।

बुडापेस्ट में होने वाली बैठक में ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर चर्चा करेंगे। लेविट कैरोलिन ने जवाब में तीखा तंज कसते हुए लिखा, आपकी मां ने किया। इसके बाद उन्होंने अपने इस जवाब का स्क्रीनशॉट एक्स पर शेयर किया और लिखा, हफिंगटन पोस्ट के एसवी डेट फैक्ट में रुचि रखने वाले पत्रकार नहीं हैं। वह एक वामपंथी हैक हैं, जिन्होंने वर्षों से लगातार राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला बोला है और मेरे फोन पर डेमोक्रेटिक बातों को बार-बार भेजते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, डेट का एक्स फीड देखिए, यह ट्रंप विरोधी निजी डायरी की तरह लगता है। कार्यकर्ता जो खुद को असली पत्रकार बताते हैं, वे इस पेशे को बदनाम करते हैं।

बुडापेस्ट में हो सकती है मीटिंग

ट्रंप प्रशासन ने ट्रंप-पुतिन शिखर सम्मेलन की सटीक तारीख या जगह की पुष्टि नहीं की है। संभावना है कि यह अगले दो हफ्तों में बुडापेस्ट में यह होगा। दोनों नेताओं की पिछली बैठक 15 अगस्त को अलास्का में हुई थी, जो पुतिन की ओर से ट्रंप के तत्काल युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराने के बाद बिना किसी प्रगति के समाप्त हुई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात की थी, उन्होंने अपनी बातचीत को सकारात्मक बताया। जेलेंस्की ने कहा, ट्रंप और उनकी टीम के साथ 2 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। उनका संदेश मेरे विचार से सकारात्मक है। हम मोर्चे पर जहां हैं, वहां डटे रहेंगे।

25 साल के बिपिन को नेपाल की अंतरिम पीएम सुशीला कार्की ने दी श्रद्धांजलि

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के 25 वर्षीय छात्र बिपिन जोशी, जिन्हें 2023 में हमास के आतंकियों ने इस्राइल से अगवा कर लिया था, आखिरकार दो साल बाद स्वदेश लौटे लेकिन ताबूत में। काठमांडू पहुंचने के बाद नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने बिपिन को राष्ट्रीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा देश शोक में डूबा नजर आया। बिपिन जोशी इस्राइल में लर्न एंड अर्न कार्यक्रम के तहत कृषि की पढ़ाई कर रहे थे। सात अक्तूबर 2023 को जब हमास ने इस्राइल के दक्षिणी इलाके किब्बुत्ज़ अलुमीम पर हमला किया, तब

हमास की कैद में हुई थी मौत

बिपिन समेत 17 नेपाली छात्रों को अगवा कर लिया गया था। शुरुआती दिनों में माना गया कि वह जीवित हैं और हमास की कैद में हैं। पर दो वर्षों तक उनके बारे में कोई खबर नहीं मिली।

मौत की पुष्टि और शव की पहचान : बीते सप्ताह हमास के सैन्य विंग क़स्साम ब्रिगेड ने चार बंधकों के शव इस्राइल को सौंपे, जिनमें बिपिन जोशी का शव भी शामिल था। शव की पहचान टेल अवीव के फॉरेंसिक विभाग ने डीएनए जांच से की। इस्राइल डिफेंस फोर्स ने बताया कि बिपिन को अगवा करने के एक महीने बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। हालांकि, हमास का दावा है कि बिपिन इस्राइली हवाई हमले में मारे गए।

अंतिम यात्रा और नेपाल में श्रद्धांजलि : रविवार को तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बिपिन को श्रद्धांजलि दी गई। समारोह में इस्राइली अधिकारी, नेपाली राजनयिक और प्रवासी नेपाली समुदाय के सदस्य शामिल हुए। सोमवार दोपहर उनका पार्थिव शरीर नेपाल पहुंचा। काठमांडू में राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे ताबूत पर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पुष्प अर्पित किए और उन्हें देश का वीर पुत्र बताया। इसके बाद शव को कंचनपुर स्थित उनके गांव ले जाया गया, जहां हजारों लोगों ने अंतिम दर्शन किए।

कूटनीतिक और मानवीय पहलू : हमास और इस्राइल के बीच जारी युद्धविराम और शांति प्रक्रिया के तहत बंधक अदला-बदली का समझौता हुआ था, जिसमें बिपिन का शव सौंपा गया। अमेरिकी मध्यस्थता से बने इस समझौते के पहले चरण में जीवित 20 बंधकों को रिहा किया गया था। बिपिन के परिवार को भेजे गए पत्र में बताया गया कि उनकी मौत सिर में गोली लगने से हुई। नेपाल सरकार ने इसे राष्ट्रीय त्रासदी बताते हुए विदेश मंत्रालय से अगवा नेपाली छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बोलिविया में पलटी सत्ता, रॉड्रिगो पाज की ऐतिहासिक जीत; अमेरिका के साथ रिश्तों में करेंगे नई शुरुआत?

सूक्रे, एजेंसी। बोलिविया में बीते 20 वर्षों में पहली बार एक दक्षिणपंथी नेता राष्ट्रपति चुने गए हैं। रॉड्रिगो पाज ने रविवार को हुए चुनाव में 54.5% वोट पाकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की। यह नतीजा देश में लंबे समय से चली आ रही वामपंथी सरकार के युग के अंत का संकेत भी माना जा रहा है। अपनी जीत के बाद पाज ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने और विदेशी निवेश लाने पर ध्यान देंगे। उन्होंने वॉशिंगटन के साथ पहले से बातचीत शुरू कर दी है ताकि 8 नवंबर को पदभार संभालने के बाद ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अमेरिका के साथ नए संबंधों की शुरुआत : अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाज की जीत को दोनों देशों के लिए एक नए युग की शुरुआत बताया। पाज ने भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सहयोग के स्पष्ट संकेत दिए हैं और अब दोनों देश निवेश, सुरक्षा और आव्रजन जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे।

तेल की किल्लत और बिगड़ी अर्थव्यवस्था : बोलिविया की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। देश के केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा लगभग खत्म हो चुकी है, जिससे पेट्रोल और डीजल जैसी जरूरी चीजों का आयात मुश्किल हो गया है। शहरों में ईंधन के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं और सितंबर में महंगाई दर 23% तक पहुंच गई, जो 1991 के बाद सबसे ज्यादा है।

आईएमएफ से नहीं लेंगे मदद : चुनाव में पाज ने अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज तूतो किरोगा को हराया, जो आईएमएफ से कर्ज लेकर आर्थिक संकट सुलझाना चाहते थे। पाज ने इस विचार को ठुकरा दिया क्योंकि बोलिविया में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति अविश्वास गहरा है।

जनता से जुड़ने में लारा की अहम भूमिका : पाज की लोकप्रियता में बड़ी भूमिका उनके उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एडमैन लारा की रही। पूर्व पुलिस अधिकारी लारा ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सोशल मीडिया पर आवाज उठाई थी और खासकर गरीब और ग्रामीण मतदाताओं में काफी लोकप्रिय हुए। उन्होंने पेंशन बढ़ाने और नकद सहायता जैसी लोकलुभावन घोषणाएं कीं, जिससे वामपंथी मतदाताओं का समर्थन भी मिला।

संविधान में बदलाव की योजना? : पाज ने कहा कि वो सबसे पहले देश की व्यवस्था सुधारेंगे। इसके लिए संविधान में बदलाव की भी योजना है। हालांकि इससे देश की बहुसंख्यक आदिवासी आबादी में चिंता है क्योंकि मौजूदा संविधान ने उन्हें राजनीतिक पहचान दी थी। पाज ने भरोसा दिलाया कि आदिवासी समुदाय का सम्मान बरकरार रहेगा और न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म करने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएंगे।

ट्रम्प के लिए मृत मां का वोट डालने वाली महिला को निबंध लिखने की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक महिला को अपनी मृत मां के नाम से वोट डालने के मामले में अदालत ने सजा के रूप में निबंध लिखने और मतदान पर किताब पढ़ने का आदेश दिया है। नैशवॉक इलाके में रहने वाली 51 वर्षीय डेनियल क्रिस्टीन मिलर ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी मां के नाम से डोनाल्ड ट्रम्प को वोट दिया था।

अमेरिका ने वीजा नियमों में दी बड़ी राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सिटिजनशिप ऐंड इमिग्रेशन सर्विस डिपार्टमेंट ने एच 1 बी वीजा होल्डर्स को बड़ा राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि जिनके पास पहले से वीजा है उन्हें केवल स्टेस बदलवाने के लिए 1 लाख डॉलर का शुल्क नहीं देना होगा। गाइडलाइन्स के मुताबिक एफ-1 वीजा वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एल-1 वीजा वाले प्रफेशनल्स को 1 स्टेटस बदलवाने के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा। इसके अलावा जिनके पास एच 1 बी वीजा है उन्हें भी इसे रिन्यू करवाने के लिए 1 लाख डॉलर की फीस नहीं देनी पड़ेगी। बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 सितंबर को एच-1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर के शुल्क का ऐलान किया था। 21 सितंबर से एच-1बी वीजा अप्लाई करने वालों को इसके लिए 1 लाख डॉलर की फीस देनी पड़ रही है।

आपको न पसंद करता हूं, न करूंगा, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री के सामने ही ट्रंप ने की पूर्व प्रधानमंत्री की बेइज्जती

वॉशिंगटन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज अमेरिका के दौरे पर हैं। सोमवार को उन्होंने वाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ रेयर अर्थ मिनरल्स डील पर दस्तखत किए। इस दौरान ट्रंप ने ऑस्ट्रेलिया के राजदूत और वहां के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड के प्रति सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उस वक्त केविन रुड भी वाइट हाउस में कैबिनेट की मेज पर आमने-सामने बैठे थे। यह वाकया तब हुआ, जब एक रिपोर्टर ने ट्रंप से पूछा कि केविन रुड की पिछली आलोचना उन्हें कैसी लगी? इस पर ट्रंप ने कहा, शायद वह माफ़ी मांगना चाहेंगे। इसके बाद अपने बगल में बैठे अल्बानीज की ओर मुड़ते हुए, ट्रंप ने कहा, वह कहाँ हैं? क्या वह अब भी आपके लिए काम कर रहे हैं? तभी अल्बानीज ने अजीब तरह से मुस्कुराते हुए रुड की ओर इशारा किया, जो ट्रंप के ठीक सामने बैठे थे। इसी बीच, केविन रुड ने ट्रंप को समझाना शुरू किया, राष्ट्रपति महोदय, यह मेरे इस पदभार ग्रहण करने से पहले की बात है।

हंस पड़े सभी लोग

तभी ट्रंप ने उनकी बात को काटते हुए कहा, मैं भी आपको पसंद नहीं करता। आप मुझे पसंद नहीं है और शायद कभी भी नहीं करूँगा। तभी दोनों सहयोगी देशों के अधिकारी हँस पड़े। फिर रिपोर्टर ने जल्दी से एक नया सवाल पूछ लिया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने बाद में ट्रंप की इस टिप्पणी को एक मजाक बताकर टालने की कोशिश की। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क से कहा, हमने हंसी सुनी। हम जानते हैं कि हमारी बैठक बहुत सफल रही और इसका पूरा श्रेय केविन को ही जाता है।

क्या है मामला?

अल्बानियाई लेबर पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रुड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद से हटने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट उनकी तीखी आलोचना करते रहे थे। केविन रुड ने ट्रंप, जिनके समर्थकों ने 2020 के चुनाव में उनकी हार के बाद अमेरिकी संसद के बाहर दंगा किया था, को इतिहास का सबसे विनाशकारी राष्ट्रपति और पश्चिम का गद्दार तक कहा था। रुड ने कहा था कि ट्रंप अमेरिका और लोकतंत्र को कीचड़ में घसीट रहे हैं।

ट्रंप ने भी कहा था टिक नहीं पाएंगे रुड

मंडारिन भाषा बोलने वाले पूर्व राजनयिक रुड को जो बाइडेन के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान अमेरिका में ऑस्ट्रेलिया का राजदूत नियुक्त किया गया था। ऑस्ट्रेलिया को उम्मीद थी कि चीन पर उनकी विशेषज्ञता वॉशिंगटन में उनका प्रभाव बढ़ाएगी। पिछले वर्ष चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने कट्टर दक्षिणपंथी ब्रिटिश राजनीतिज्ञ निगेल फैराज के साथ एक साक्षात्कार में रुड को बुरा कहा था और कहा था कि वह राजदूत के रूप में अधिक समय तक अमेरिका में नहीं टिक पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज दूसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

एडिलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ऑस्ट्रेनियाई टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी रहेंगी। ये दोनो ही पहले एकदिवसीय में रन बनाने में विफल रहे थे। कोहली और रोहित का प्रयास इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। पहला एकदिवसीय मैच में भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा था। बारिश की बाधा के बीच ही बार-बार मैच रुकने से भारतीय बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाये और पूरी टीम 136 रनों पर ही आउट हो गयी थी। इस मैच में भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये।

अब दूसरे एकदिवीय में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए मेजबान गेंदबाजों क्योंकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से सावधान रहना होगा। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसे हालातों में बल्लेबाजी करना कठिन होता है। इस मैच में अनुभवी स्पिनर एडम ज़म्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी होगी।

इस मैच में रोहित पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा क्योंकि टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी बैंच पर है। रोहित ने इसी को देखते हुए मैच से पहले काफी अभ्यास किया है। रोहित अभ्यास के लिए समय से पहले ही पहुंच गये थे। अभ्यास सत्र में कोच कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ भी था।

रोहित के अलावा कोहली ने भी मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताया।

बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा इस मैच में भी पारी की शुरुआत रोहित ही कप्तान शुभमन गिल के साथ करेंगे। उन्होंने रोहित और विराट के फार्म को लेकर कहा

, ''मुझे लगता है कि रोहित और विराट

अच्छी लय में दिख रहे हैं। उन्होंने कल अभ्यास सत्र बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। इसलिए मुझे लगता है कि वे वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।'' ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के नहीं होने से नीतीश रेड्डी को इस मैच में भी जगह मिलना तय है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को भी जगह मिल सकती है क्योंकि भारतीय टीम प्रबंध निचले स्तर तक बल्लेबाज चाहता है।

बल्लेबाजी कोच ने कहा, ''हार्दिक जैसे खिलाड़ी का न होना हमेशा ही झटका होता पर इससे युवा नीतीश को अनुभवी का मौका मिल रहा है और हम उसे निखारने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हर टीम को एक ऑलराउंडर की ज़रूरत होती है और हम उसे उस भूमिका में ढालने की कोशिश कर रहे हैं। इस नजर से यह एक अच्छी तैयारी है। लेकिन हार्दिक जैसे खिलाड़ी की कमी किसी भी टीम को खलेगी।'' इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उन्हें 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

शमी को भारी पड़ी चयनसमिति के खिलाफ सार्वजनिक बयानबाजी !

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ में टीम में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अब वह चयन समिति की भविष्य की योजनाओं में शामिल नहीं है। भारत ए टीम में कई युवाओं को भी शामिल किया गया है पर शमी को ये कहने के बाद कि वह फिट है जगह नहीं मिलना हैरानी की बात है। हाल ही में उन्होंने बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी मुकाबला भी खेला था। वहीं माना जा रहा है कि जिस प्रकार उन्होंने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बयान के बाद जिस प्रकार से मीडिया में अपनी बात रखी। उससे उन्हें नुकसान हुआ होगा।

शमी ने रणजी ट्रॉफी से पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए हुए टीम में जगह नहीं मिलने पर सार्वजनिक रुप से नाराजगी जताई थी। वहीं अगरकर ने शमी को टीम में शामिल नहीं करने का कारण उनकी फिटनेस बताया गया जबकि शमी का कहना था कि अगर उन्होंने रणजी ट्रॉफी में खेला है तो वह 50 ओवर क्रिकेट भी खेल सकते हैं। कहा जा रहा है कि यही बयान उनके खिलाफ गया होगा। बीसीसीआई का कहना है कि शमी का चयन उनकी खराब फिटनेस के कारण नहीं हुआ है तो दूसरी ओर शमी ने अपने को फिट बताया है। ऐसे में हो सकता है कि चयन कमिटी पर सार्वजनिक बयानबाजी के कारण शमी को नुकसान हुआ होगा। इसी कारण से दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ इंडिया ए टीम में उन्हें नहीं चुना गया। शमी ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए उत्तराखंड के खिलाफ 7 विकेट लेकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई थी। ऐसे में साफ था कि शमी को अपने चयन की उम्मीद रही होगी और नाम नहीं आने पर उनकी निराशा बयान के रुप में सामने आई।,

एशिया कप ट्रॉफी का मामला आईसीसी बैठक में उठायेगा बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब एशिया कप ट्रॉफी को हासिल करने के लिए ये मामला अगले माह होने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक में उठा सकता है। भारतीय टीम को जीत के बाद भी अब तक एशिया कप ट्रॉफी नहीं मिली है क्योंकि ये एशिया क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के प्रमुख और पाक क्रिकेट

बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी के कब्जे में है। भारतीय टीम ने जीत के बाद नकवी के हाथ से ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया था। तभी से ये नकवी ने एशिया कप मुख्यालय में रखवा दी है। बीसीसीआई के बार-बार कहने के बाद भी नकवी ट्रॉफी देने तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि कि बीसीसीआई का कोई प्रतिनिधि दुबई में एसीसी मुख्यालय में से ट्रॉफी उनसे ले सकता है पर भारतीय बोर्ड ने इससे साफ इंकार कर दिया है। बीसीसीआई अब अगले महीने आईसीसी की बैठक में यह मामला उठायेगा। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया, एसीसी में बीसीसीआई के प्रतिनिधि राजीव शुक्ला और श्रीलंका तथा अफगानिस्तान सहित अन्य सदस्य बोर्ड के प्रतिनिधियों ने पिछले सप्ताह ही एसीसी को पत्र लिखकर ट्रॉफी भारत को देने के लिए कहा था।

इसके जवाब में नकवी ने कहा था कि बीसीसीआई से किसी को दुबई आकर उनसे ट्रॉफी लेनी होगी। इसलिये ये मामला हल नहीं हो रहा है। बीसीसीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि वह नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। ऐसे में अब इस पर फैसला आईसीसी की बैठक में ही होगा।'' आईसीसी के प्रमुख बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। ट्रॉफी को हासिल करने इससे पहले हुई एसीसी बैठक में बीसीसीआई के अधिकारियों ने ये मामला उठाया था पर वहां भी नकवी का अड़ियल रुख बना हुआ था। इस बैठक में बीसीसीआई अधिकारियों ने ट्रॉफी नहीं देने के लिये नकवी की कड़ी आलोचना की थी पर उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। नकवी ने एसीसी मुख्यालय में भी कर्मचारियों को निर्देश दे दिये कि ये ट्रॉफी उनसे पूछे बिना न दी जाये।

आईसीसी रैंकिंग: जसप्रीत बुमराह की नंबर-1 पोजीशन खतरे में, पाकिस्तान का ये गेंदबाज दे रहा बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह दुनिया के नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। लेकिन उनकी नंबर-1 पोजीशन पर खतरा मंडरा रहा है। उन्हें पाकिस्तान के स्पिनर नौमान अली कड़ी चुनौती दे रहे हैं। वहीं महिला वनडे रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर काबिज है। कुलदीप यादव को गेंदबाजी रैंकिंग में नुकसान हुआ है जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-5 में बने हुए हैं। पाकिस्तान के स्पिनर नौमान अली ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। वो चार स्थान की छलांग लगाते हुए दुनिया के नंबर-2 टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। नौमान अली अब रेटिंग्स अंकों के मामले में बुमराह से सिर्फ 29 पॉइंट पीछे हैं। टेस्ट की टॉप 10 गेंदबाजों की लिस्ट में बुमराह के अलावा कोई भारतीय नहीं है। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल एक स्थान के फायदे के साथ 12वें नंबर पर आ गए हैं।

बता दें कि, नौमान अली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 10 विकेट लिए थे। वहीं दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 2 विकेट लिए थे।

भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलियाई टूर पर वनडे सीरीज खेल रही है। वनडे की बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में चार भारतीय हैं। शुभमन गिल दुनिया के टॉप वनडे बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा तीसरे और विराट कोहली नंबर-5 पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर को एक स्थान का नुकसान हुआ है।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे, जानें बड़ी वजह

पेरिस । दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद कर दिया था। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ ATP टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया। जोकोविच ने जिस अंतिम आधिकारिक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था वह शंघाई मास्टर्स था जिसके सेमीफाइनल में हार के दौरान वह कूल्हे में दर्द से परेशान रहे थे।

हरभजन सिंह, कीरोन पोलार्ड, पीयूष चावला फिर दिखेंगे क्रिकेट के मैदान में, खेलेंगे ये मशहूर लीग

अबू धाबी - क्रिकेट का सबसे तेज फॉर्मेट अबू धाबी टी10 के 9वें संस्करण में हरभजन सिंह, आंद्रे रसेल, कीरोन पोलार्ड, शिमरोन हेटमायर, पीयूष चावला और फाफ डू प्लेसिस जैसे दिग्गज क्रिकेटर नई टीमों के साथ मैदान में उतरेंगे। जायेद क्रिकेट स्टेडियम में 18 से 30 नवंबर चलने वाले इस टूर्नामेंट में सभी आठ प्रतिभागी फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों और युवा प्रतिभाओं के साथ ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी। अजमान टाइटन्स ने इस सीजन में भारत के विश्व कप विजेता टीम के स्पिनर रहे पीयूष चावला को टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने मोईन अली, रिली रोसो और एलेक्स हेल्स को शामिल करके अपनी बल्लेबाजी लाइनअप को भी मजबूत किया है। शीर्ष क्रम में अनुभव और ताकत दोनों बढ़ी है। मोईन अली से टाइटन्स के लिए न केवल एक आक्रामक बल्लेबाज के रूप में, बल्कि स्पिन विभाग में एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है। एस्पिन स्टैलियंस ने आगामी अबू धाबी टी10 के लिए पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को अपनी टीम में शामिल किया है। हरभजन की स्पिन, सैम बिलिंग्स की चतुर बल्लेबाजी, टाइमल मिल्स की तेज गति और आंद्रे फ्लेचर की विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ, स्टैलियंस ने आगामी टूर्नामेंट के लिए एक मजबूत टीम तैयार की है। डेक्कन ग्लेडिएटर्स की बल्लेबाजी लाइन-अप अबू धाबी टी10 में सबसे मजबूत है जिसमें निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल और मार्कस स्टोइनिस शामिल हैं। इसके अलावा, डेविड विसे का हरफनमौला अनुभव और बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की उनकी क्षमता टीम को बेहतरीन संतुलन और गहराई प्रदान करती है। दिल्ली बुल्स में अनुभवी ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड और सुनील नारायण हैं। इसके अलावा बुल्स के पास टिम डेविड, रोवमैन पॉवेल और फिल साल्ट जैसे धुरंधर खिलाड़ी हैं, जो आगामी टूर्नामेंट में उनकी बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते है। नॉर्दर्न वॉरियर्स के पास भी शिमरोन हेटमायर, ट्रेंट बोल्ट, तबरेज शम्सी और दिनेश चांडीमल हैं।

विराट, रोहित का भविष्य तय करेंगी ऑस्ट्रेलिया सीरीज : पोंटिंग

सिडनी । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 विश्वकप में खेलने को लेकर अटकलों का दौर जारी है। कुछ पूर्व क्रिकेटरों का कहना है कि उन्हें इसमें खेलना चाहिये। वहीं कुछ का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण ये शायद ही खेल पायें। वहीं इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि विराट और रोहित वर्तामान में जारी एकदिवसीय सीरीज में कैसा प्रदर्शन करते है। इसी पर इनका भविष्य निर्भर करेगा। इसी सीरीज से पता चलेगा कि ये दोनो 2027 विश्व कप तक खेल पायेंगे या नहीं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं और इनका लक्ष्य विश्वकप खेलना है हालांकि अभी दोनो लय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेक के बाद ये दोनो ही जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने रन नहीं बना पाये। पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'बात करते हुए कहा कि इस जोड़ी को केवल 2027 विश्व कप के बारे में सोचने की जगह अपने लिए छोटे लक्ष्य तय करने चाहिए। पोंटिंग ने कहा, ''एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे लगता है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बारे में अभी नहीं सोचना चाहिए।'' उन्होंने साथ ही कहा, ''विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बेकार नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। हमें इस सीरीज के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।'' पहले एकदिवसीय में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन शास्त्री का मानना ? ?है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्हें लय हासिल करने में समय लगेगा।

नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां साउथ ब्लॉक में आयोजित एक कार्यक्रम में नीरज को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल पद से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना व टेरिटोरियल आर्मी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नीरज को ये सम्मान चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा दृढ़ संकल्प, देशभक्ति और उत्कृष्टता की भारतीय भावना का प्रतीक बने हैं। वह अपने अनुशासन और समर्पण से न केवल खेल जगत में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरे हैं। राजनाथ ने नीरज की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि

नीरज ने मैदान में जो अनुशासन और निष्ठा दिखाई, वही भावना उन्हें सेना के आदर्शों से जोड़ती है। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं।

नीरज को साल 2016 में भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल किया गया था। नीरज ने अपने प्रदर्शन से न केवल भारत बल्कि भारतीय सेना का भी गौरवा बढ़ाया है। उन्होंने साल 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भारत की ओर से एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और 2023 की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके अलावा, नीरज ने एशियाई खेलों, राष्ट्रमण्डल खेलों और डायमंड लीग में भी कई स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने हाल ही में 90.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (2025) कर भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में नया रिकार्ड स्थापित किया। नीरज की इस उपलब्धियों और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके योगदान को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें 16 अप्रैल 2025 को टेरिटोरियल आर्मी में मानद कमीशन प्रदान किया था। नीरज को पद्म श्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, परम विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक जैसे सम्मान भी मिले हैं।

इससे पहले खेल जगत से मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और महेन्द्र सिंह धोनी को भी दी गयी थी।

चैंपियंस लीग में हुई गोल की बरसात, पीएसजी और बार्सिलोना की बड़ी जीत

मैनचेस्टर । चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए। PSV आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है। इस मैच में दोनों टीमें पहले हाफ में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थीं। क्रम्स कि यह तीन मैच में तीसरी जीत है। बार्सिलोना की 6-1 की ओलंपियाकोस के खिलाफ जीत ने उसे महीने की शुरुआत में पीएसजी से मिली हार से उबरने में मदद की। बार्सिलोना की तरफ से फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक बनाई और मार्कस रशफोर्ड ने दो गोल दागे। यह लोपेज़ के करियर की पहली हैट्रिक थी। लामिने यामल ने भी एक गोल किया। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया, जिसमें विक्टर ग्योकेरेस ने दो गोल किए। एक अन्य मैच में हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने विलारियल पर 2-0 से जीत हासिल की। हार्वे बार्न्स ने न्यूकैसल की बेनफिका के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल किए तथा बोरूसिया डॉर्टमंड ने कोपेनहेगन पर 4-2 से जीत हासिल की।

शुभमन को एशिया कप टीम में शामिल किये जाने के खिलाफ थे सूर्यकुमार : रिपोर्ट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनो ही प्रारुपों में कप्तानी देना चाहता है और उन्हें इसके लिए तैयार करने में लगा है। इसी कारण शुभमन को पिछले माह हुए एशिया कप में भी बतौर उपकप्तान शामिल किया गया था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस फैसले से खुश नहीं थे और उन्होंनें शुभमन को टीम टीम में शामिल किये जाने का विरोध भी किया था पर कोच गौतम गंभीर व चयनसमिति के प्रमुख ने उनकी बात नहीं मानी। रिपोर्ट के अनुसार सूर्या का उनका कहना था कि शुभमन का खेल टी20 के अनुरुप नहीं है। उनकी ये बात काफी कुछ सही भी निकली। शुभमन के लिए एशिया कप अच्छा नहीं रहा। 7 पारियों में वह केवल 127 रन बनाए। एक बार भी वह पचास रन नहीं बना पाये। उन्हें शामिल किये जाने के कारण अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी को तोड़ना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम की घोषणा होने से कुछ देर पहले सूर्यकुमार को जब बताया गया कि शुभमन को टी20 टीम में शामिल किया गया है। तो वह हैरत में पड़ गये पर चयनसमिति प्रमुख अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें समझा दिया। गंभीर ने आईपीएल में शुभमन के अच्छे प्रदर्शन का भी हवाला दिया।

मजाकिया अंदाज में बोले हसी, अगर कम उम्र में डेब्यू करता तो सचिन से अधिक रन बनाता

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल हसी ने कहा है कि अगर उन्हें कम उम्र में खेलने का अवसर मिल गया होता तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अधिक रन बना देते। हसी ने हालांकि ये दावा मजाकिया अंदाज में किया और कहा कि इस प्रकार की बातें केवल सपना होती हैं। गौरतलब है कि हसी ने 28 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह फरवरी 2004 से जनवरी 2013 तक करीब 9 साल तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेले। उन्होंने अपने करियर में 302 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.00 के औसत से 12398 रन बनाए। इस दौरान हसी ने 22 शतक व 72 अर्धशतक लगाये। हसी ने एक चैनल से बातचीत के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है। मैं कम उम्र में डेब्यू कर पाता तो तेंदुलकर से लगभग पांच हजार रन ज्याद बना देता। तब मेरे रिकार्ड में सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा एशेज जीत और सबसे ज्यादा विश्वकप जीतें होतीं। साथ ही कहा कि जब में सुबह उठता हूं तो पता चलता है कि ये सब एक सपना था। मुझे पहले मौका मिलना शानदार होता लेकिन मेरे लिए अच्छी बात यह थी कि जब मुझे चुना गया तो मुझे अपने गेम की बेहतरीन समझ थी।' सचिन सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में शामिल है। उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद कई रिकार्ड बनाये है। अपने 24 साल के सबसे लंबे करियर में हर रिकार्ड उनके नाम है। इसमें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन से लेकर शतक हैं। उन्होंने 664 मैचों में सबसे ज्यादा 34357 रन बनाये हैं। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। उन्होंने 200 टेस्ट में 51 और 463 वनडे में 49 शतक लगाए।

शीर्ष क्रम का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय नहीं लेकिन अगले मुकाबलों में बड़े स्कोर की उम्मीद: मजूमदार

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को आलोचनाओं से घिरी भारतीय बल्लेबाजों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें बल्लेबाजों से बड़ी पारी की उम्मीद है। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जूझ रही है। भारत को अंतिम चार में पहुंचने के लिए न्यूजीलैंड पर जीत की जरूरत है लेकिन इसके लिए मेजबान टीम को बृहस्पतिवार को यहां अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मौजूदा टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों को पहले शतक का इंतजार है जबकि सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल (70.99) और हरलीन देओल (75.11) के स्ट्राइक रेट ने भी शीर्ष क्रम की धीमी बल्लेबाजी की समस्या को उजागर किया है। अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने के बारे में पूछे जाने पर मजूमदार ने जवाब दिया, 'हम अच्छी तरह जानते हैं कि इस विश्व कप में तीन अंक का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं।'

उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'अगर आप पिछले डेढ़ साल, यानी विश्व कप से पूर्व 18 महीनों पर नजर डालें तो मुझे लगता है कि हमने पहले से कहीं अधिक शतक लगाए हैं। हां, तिहरे अंक तक नहीं पहुंचे हैं (मौजूदा विश्व कप में)।' मजूमदार ने हालांकि इस बात को खारिज कर दिया कि व्यक्तिगत बड़े स्कोर नहीं बनने के कारण भारतीय बल्लेबाज दबाव में हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी पर अधिक दबाव है। हमने इस बारे में ईमानदारी से चर्चा की है और खिलाड़ी भी ईमानदार रहे हैं कि हम अर्धशतक की बजाय उसे शतक में बदल सकते थे। वे इस बात से वाकिफ हैं और मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ मैच में ऐसा होगा।'

मजूमदार ने प्रतियोगिता में प्रतिका और हरलीन के 80 से कम के स्ट्राइक रेट को अधिक तूल नहीं दिया। इन दोनों ने मिलकर 10 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है। उन्होंने कहा, 'अगर आप पिछले साल दिसंबर में प्रतिका रावल के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से उनकी प्रगति पर नजर डालें तो उनका औसत लगभग 50 (47.04) है और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 82-83 (81.92) है।'

मजूमदार ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शानदार है और हम चाहेंगे कि वह इसी तरह बल्लेबाजी करती रहें। पूरी टीम उनके और हरलीन के साथ है। मुझे नहीं लगता कि इस विषय पर कोई चर्चा हुई है।' टीम की परेशानियों के बावजूद मजूमदार ने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर स्थिति को अच्छी तरह से संभाल रही हैं। उन्होंने कहा, 'घरेलू विश्व कप में थोड़ा दबाव तो होता ही है लेकिन यह टीम इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।'

मजूमदार ने कहा, 'हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका देने की आजादी है। मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी दबाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वह (हरमनप्रीत) शानदार कप्तानी कर रही हैं। अगर आप देखें तो इस विश्व कप से पहले द्विपक्षीय मैचों में उनका रिकॉर्ड पिछले दो वर्षों में शानदार रहा है।' मुंबई के इस दिग्गज पूर्व खिलाड़ी को उम्मीद है कि हरमनप्रीत जल्द ही एक बड़ी पारी खेलेंगी। उन्होंने साथ ही कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पिछले मैच में जेमिमा रोड्रिग्स को बाहर करना एक कठिन फैसला था।

ऋतिक रोशन के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं।

ऋतिक की जमकर तारीफ की

उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना की एंट्री

आयुष्मान खुराना इन दिनों फिल्म थामा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। रोशनी के इस त्योहार पर आयुष्मान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। उनकी अगली फिल्म का एलान हो गया है। नाम है- पति पत्नी और वो दो। यह फिल्म अगले साल होली पर दस्तक देगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे।

क्राइम कहानियों की शौकीन हैं कोंकणा सेन शर्मा

कोंकणा सेन शर्मा अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसका निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। अभिनेत्री ने इस सीरीज में निभाए अपने किरादर के बारे में विचार प्रकट किए।

क्राइम कहानियों में रूचि रखती हैं अभिनेत्री

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा ने एएनआई से बात की। उन्होंने कहा, मुझे बहुत मजा आया, क्योंकि मुझे सच्चा क्राइम बहुत पसंद है। सिर्फ सच्चा अपराध ही नहीं, बल्कि क्राइम फिक्शन और क्राइम सीरीज भी, मुझे ये सभी पसंद हैं। मैंने बहुत सारी देखी हैं। मुझे यह किरदार वाकई पसंद आया। शुरुआत से ही, मैंने गौर किया कि एसीपी संयुक्ता दास को कैसे पेश किया गया है। हमने उनके घरेलू जीवन, उनके पेशेवर जीवन और दोनों के बीच संतुलन को दिखाया। एक मां के रूप में, एक एसीपी के रूप में, एक पत्नी के रूप में, इन सबके बीच संतुलन बनाए रखते हुए। यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प था।

निर्देशक रोहन सिप्पी ने कहानी को खास बनाने पर बात की

सीरीज 'सर्च-द नैना मर्डर केस' के निर्देशक रोहन सिप्पी ने भी आज के दर्शकों के लिए कहानी को प्रासंगिक बनाए रखने के महत्व पर बात की। जब उनसे पूछा गया कि वे आधुनिक दर्शकों के लिए खुद को कैसे ढालते हैं, तो डायरेक्टर ने कहा, यह जरूरी है क्योंकि वे काल्पनिक और सच्ची अपराध कहानियां, दोनों देख रहे हैं। इसलिए हम यह भी मानते हैं कि अगर कहानी में कोई कमज़ोरी होगी, तो लोग उसे तुरंत पकड़ लेंगे। लेकिन जैसा मैंने कहा, लेखकों को यह जानना जरूरी है कि दर्शकों को यह पसंद आ रही है या नहीं। क्या वे यह अंदाजा नहीं लगा पा रहे हैं कि शक किस तरफ जाएगा।

क्या है सीरीज की कहानी?

सर्च- द नैना मर्डर केस सीरीज में नैना नाम की एक युवती की कहानी है, जिसकी जिंदगी एक पार्टी के बाद गायब हो जाने के बाद एक खतरनाक मोड़ ले लेती है। कुछ दिनों बाद, उसका शव एक जंगल में मिलता है, जिससे एक चौंकाने वाली हत्या की जांच शुरू होती है। इसके बाद कहानी में और रोमांच बढ़ जाता है।

150 करोड़ रुपये के बजट वाले एड फिल्म में काम कर रहे हैं बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह

एक्टर बॉबी देओल, श्रीलीला और रणवीर सिंह का बीते दिन एक पोस्टर सामने आया था, जिसमें वो तीनों अलग-अलग लुक में दिखाई दे रहे थे। दावा किया जा रहा था कि किसी फिल्म का हिस्सा हैं, जिसमें उनका कोई खतरनाक रोल होगा। मगर इस पर अफवाह अब फुलस्टॉप लगा। क्योंकि ये 150 करोड़ रुपये के बजट वाले एक एड फिल्म में काम कर रहे हैं। और इसका डायरेक्शन कोई और नहीं, बल्कि जवान के डायरेक्टर एटली करेंगे। बताया जा रहा है कि ये एड फिल्म चिंग्स देसी चाइनीज और उसके ने कैम्पेन एजेंट चिंग अटैक्स के लिए है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस एड फिल्म की शूटिंग एक फीचर फिल्म की तरह ही की जाएगी, जिसमें एक बड़ा सेट होगा। साथ ही इसके बजट के बारे में भी इस रिपोर्ट में बताया गया है, जो कि बहुत बड़ा अमाउंट है। रणवीर-बॉबी और श्रीलीला का एड सोर्स के हवाले से बताया गया, चिंग्स देसी चाइनीज का एड कैम्पेन, जिसमें रणवीर सिंह , बॉबी देओल और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं, उसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। और लगभग 150 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट पर बनाया जा रहा है। कंपनी 19 अक्टूबर को मुंबई में एक स्क्रीनिंग भी आयोजित कर रही है , जिसमें एटली, रणवीर और श्रीलीला शामिल होंगे। बता दें कि श्रीलीला को आखिरी बार भानु भोगवरपु निर्देशित मास झटारा में देखा गया था। इसके अलावा, रणवीर सिंह को रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में और बॉबी देओव को आर्यन खान की डायरेक्ट वेब सीरी बैड्स ऑफ बॉलीवुड में देखा गया था। और अब ये तीनों एड फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं।

हिंदू परिवार में शादी करने पर ट्रोल हुईं सारा खान

हाल ही में 'बिदाई' फेम टीवी एक्ट्रेस सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंधीं। आठ अक्टूबर को एक्ट्रेस ने एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज किया है। हालांकि, दूसरे धर्म में शादी करने की वजह से सारा को ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सारा के सपोर्ट में उनके ऑन स्क्रीन पति एक्टर अंगद हसीजा ने चुप्पी तोड़ी है। अंगद ने अपनी दोस्त को सपोर्ट करते हुए इंडिया फोरम से कहा- 'सारा को शादी बहुत ही सिंपल तरीके से करनी थी। उसकी हमेशा से चाहत थी। तो बस उसका परिवार और मैं अकेला दोस्त वहां मौजूद था। 18 साल की जान पहचान में आप दोस्त नहीं परिवार बन जाते हैं। उसका पार्टनर बहुत अच्छा है। सास बहुत अच्छी है। उन्होंने सारा को बहुत प्यारा से अपनाया है। वो बहुत जल्द ही धूमधाम से शादी करेगी।'

वहीं, शादी की वजह से सारा की ट्रोलिंग पर एक्टर ने कहा- अब वक्त बदल गया है। लोग अपग्रेड हो गए हैं और उनकी सोच बदल गई है। मुझे नहीं लगता कि किसी को कास्ट को लेकर फर्क पड़ता है। पहले का वक्त चला गया है। मेरे लिए ये बहुत फनी सी बात है। बता दें कि ट्रोलिंग को लेकर सारा ने भी ट्रोलर्स को करार जवाब दिया था। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा था- 'कृष और मैं अलग-अलग संस्कृतियों से हैं लेकिन हमारा मानना है कि हमारे धर्मों ने हमें प्रेम करना सिखाया है। हमारे परिवारों ने हमें सबसे पहले दूसरों का सम्मान करना सिखाया है। हम भी यही मानते हैं और एक जैसा सोचते हैं। मैं शुभचिंतकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं और साथ ही उन निगेटिव टिप्पणियों को भी संबोधित करना चाहती हूं, जिन्हें बहुत सीखने की जरूरत है। कोई भी धर्म आपको किसी अन्य धर्म या विश्वास को नीचा दिखाना या किसी का अनादर करना नहीं सिखाता है।

हम अपने शुभचिंतकों के साथ अपना मैरिटल स्टेटस शेयर कर रहे हैं न कि किसी की मंजूरी मांग रहे हैं क्योंकि हमें पहले ही अपने परिवारों और कानून से इसकी मंजूरी मिल चुकी है। मेरे ईश्वर के साथ मेरा रिश्ता पूरी तरह से मेरा। मेरे और मेरे ईश्वर के बीच किसी को भी कमेंट करने का कोई अधिकार नहीं है।

सैयारा की सफलता के बाद अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं अहान पांडे

सैयारा एक्टर अहान पांडे एक बार फिर से ज़ेन जी वाली भीड़ की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। अहान पांडे ने अली अब्बास जफर की अगली फिल्म से अपना लुक दिखा दिया है, जिसपर फैन्स अभी से दिल हारे बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने अभी से उनके लुक और फिल्म के लिए डेट ब्लॉक करने की बातें भी कह दी हैं। अहान पांडे अब अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए रेडी दिख रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे और इसे यशराज फिल्म्स के आदित्य चोपड़ा प्रड्यूस कर रहे हैं। सैयारा की ऐतिहासिक सफलता के बाद जो भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी बनी उसके बाद अब अहान अपने करियर के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं।

सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग

यह फिल्म अली अब्बास जफर की यशराज फिल्म्स में वापसी को भी है। अहान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपना नया लुक शेयर किया, जिसमें सैयारा के रोमांटिक लवर बॉय लुक से बिल्कुल अलग लुक है।

अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी

माना जा रहा है कि लव-स्टोरी के बाद अब ये नई एक्शन-रोमांस फिल्म आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में पेश करने का वादा करती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। ये आदित्य चोपड़ा व अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी, जिनकी जोड़ी ने मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी हिट फिल्में दी हैं।

इत्ती सी खुशी में मेरा किरदार आकर्षक और दयालु है

सोनी सब का लोकप्रिय शो इत्ती सी खुशी दर्शकों को लगातार भावुक और प्रेरक कहानी के जरिए जोड़ रहा है। शो की नायिका अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) एक ऐसी युवती है, जो पारिवारिक संघर्षों के बीच अपने पाँच भाई-बहनों की जिम्मेदारी उठाती है। उसकी जिंदगी में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं विराट, जिन्हें रजत वर्मा साकार कर रहे हैं। वह एक आकर्षक और रहस्यमयी शख्सियत है, जो अन्विता की जिंदगी में प्यार, उम्मीद और भावनात्मक गहराई लाता है।प्रेम और अपराधबोध के बीच झूलता विराट शो की भावनात्मक धुरी को और सशक्त बनाता है, जिससे वह सबसे प्रभावशाली किरदारों में से एक बन जाता है। शो में अपने किरदार और सफर के बारे में बात करते हुए रजत वर्मा ने विराट को जीवंत करने के बारे में खुलकर बात की, साथ ही उनके सूक्ष्म चित्रण, सह-कलाकारों के साथ उनकी सहज ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और दर्शकों से किरदार को मिली दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी साझा की।

आप इत्ती सी खुशी में विराट के किरदार से खुद को किस तरह जोड़ते हैं? और उसे निभाने में सबसे बड़ा इनाम या चुनौती क्या रही?

विराट ऐसा किरदार है, जो अन्विता की जिंदगी में गर्माहट और उम्मीद लेकर आता है। वह आकर्षक और दयालु है, लेकिन उसके अतीत में एक रहस्य छिपा है। इस किरदार का सबसे पुरस्कृत हिस्सा उसके गहरे भावनात्मक पहलुओं को खोजना रहा और सबसे बड़ी चुनौती रही उसकी सहज आत्मविश्वास और भावनात्मक गहराई को निभाना, क्योंकि मेरी खुद की पर्सनैलिटी थोड़ी संकोची है। अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलना और विराट की यात्रा को प्रामाणिक रूप से दिखाना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है।

विराट इस समय भावनात्मक दौर से गुजर रहा है अपनी पहचान वीर के रूप में उजागर होने से लेकर अन्विता के परिवार की मदद करने तक आप उसकी इस यात्रा को कैसे देखते हैं?

विराट की यात्रा पूरी तरह प्रेम से प्रेरित एक परिवर्तन है। वह अन्विता की जिंदगी में उम्मीद की किरण बनकर आता है, उसे संघर्षों से राहत और सहारा देता है। लेकिन जब उसकी असली पहचान सामने आती है, तो उसे अपने अतीत के परिणामों का सामना करना पड़ता है और भावनात्मक चुनौतियों से जूझना पड़ता है। अन्विता के परिवार के प्रति उसका अटूट सहयोग, उसकी गहराई और जिम्मेदारी उठाने की क्षमता को उजागर करता है। यह भी बताता है कि सबसे मुश्किल क्षणों में भी उस पर भरोसा किया जा सकता है।

आप और सुम्बुल ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री कैसे क्रिएट कर रहे हैं?

सुम्बुल एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं और हमारे बीच एक नैचरल कनेक्शन है, जो स्क्रीन पर खूबसूरती से नज़र आता है। हम सीन से पहले बातचीत करते हैं, किरदारों के नजरिए और भावनाओं को समझते हैं। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं कि सीन में ज़रूरी डायनैमिक्स, चाहे तनाव हो, गर्माहट हो या दोनों का मेल, लाकर देंगे। यही सहयोग हमारी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को वास्तविक और प्रभावी बनाता है।

आप बाल कलाकारों से सबसे ज्यादा किससे जुड़ाव महसूस करते हैं? सेट का कोई मजेदार किस्सा?

सेट पर सभी बाल कलाकारों के साथ मेरा एक सच्चा रिश्ता है; वे हर दृश्य में अविश्वसनीय ऊर्जा, आनंद और प्रामाणिकता लाते हैं। सेट पर हर दिन जीवंत और जिंदगी से भरा लगता है और उनका उत्साह हमारे साथ शूट किए गए दृश्यों को और भी बेहतर बना देता है। मुझे सबसे ज़्यादा हैरानी उनकी लगन और कौशल से होती है। इतनी छोटी उम्र के बावजूद, वे जिस परिपक्वता और कुशलता से अभिनय करते हैं, वह मुझे अक्सर अचंभित कर देता है। उन्हें काम करते हुए देखकर, आप कभी-कभी उनकी उम्र भूल जाते हैं; उनका ध्यान, समय और स्वाभाविक स्वभाव वाकई प्रेरणादायक है। उनकी उपस्थिति न केवल शो में ताज़गी लाती है, बल्कि उनके आसपास के सभी लोगों को सेट पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित भी करती है।

एक ऐसे किरदार की तैयारी कैसे करते हैं, जो अपराधबोध, प्रेम, रहस्य और जिम्मेदारी के बीच संतुलन साधता है?

विराट की जटिल भावनाओं को निभाने के लिए उसे गहराई से समझना ज़रूरी था। मैं उसके हर कदम के पीछे की प्रेरणा, उसके रहस्यों का बोझ और उन सबका उसके रिश्तों पर असर समझने की कोशिश करता हूँ। इसके लिए मैं स्क्रिप्ट का गहराई से अध्ययन करता हूँ, निर्देशक से चर्चा करता हूँ और व्यक्तिगत रूप से भी उस पर चिंतन करता हूँ। यह अवलोकन ही चिंतन और अनुभूति का मिश्रण है, जो मुझे विराट के किरदार की परतों को विश्वसनीय ढंग से निभाने में मदद करता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।